

मनेन्द्रगढ़

25 मार्च 2026
बुधवार

दैनिक मीडिया ऑडिटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

पंजाब अफसर सुसाइड: सीएम मान का सीबीआई जांच से इनकार

पूर्व आप मंत्री भुल्लर की गुपचुप पेशी की चर्चा; डॉक्टरों का बोर्ड पोस्टमॉर्टम कर रहा

अमृतसर, एजेंसी। पंजाब के अमृतसर में वेयरहाउस के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (DM) गगनदीप सिंह रंधावा के सुसाइड केस की जांच CBI को देने की बात पर CM भागवत मान भड़क गए। चंडीगढ़ में आज प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि राजा वडिंग और अमित शाह पर भी आरोप लगाकर लोग मर गए। तब किसने रिजाइन किया और कौन गिरफ्तार हुआ?



CBI जांच से इनकार करते हुए सीएम ने कहा कि मिनिस्टर का रिजाइन हो गया। उसे अरेस्ट कर लिया। चीफ सेक्रेटरी को जांच के आदेश दिए हैं। नियमों के मुताबिक कार्रवाई होगी। हमारे लिए मंत्री-संतरी एक समान हैं। वहीं, आरोपी पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर को गुपचुप तरीके से जज के सामने पेश करने की चर्चा है। हालांकि, पुलिस इसमें कुछ खुलकर बात नहीं कर रही। डीसीपी रविदरपाल ने पहले भुल्लर की रिमांड की भी पुष्टि की थी, लेकिन अब वह कह रहे हैं कि अभी पेश किया जाएगा। इधर, DM रंधावा के सुसाइड के चौथे दिन उनके शव का पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है। एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट की निगरानी में सिविल अस्पताल में कार्रवाई की जा रही है। साथ ही प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी हो रही है। दोपहर बाद शव का अंतिम संस्कार भी किया जाएगा।

दिल्ली के लिए 1,03,700 करोड़

रूपए का बजट पेश: 10वीं की मेरिट में आने वाले स्टूडेंट्स को मिलेंगे लेपटॉप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश किया। इस बार सरकार ने 1 लाख 3 हजार 700 करोड़ रूपए का बजट पेश किया है। सीएम ने अपने संबोधन में कहा कि इस बजट को लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 'ग्रीन बजट' के रूप में तैयार किया गया है। इसी के तहत कुल बजट का 21 प्रतिशत हिस्सा पर्यावरण के लिए निर्धारित किया गया है। बजट में एजुकेशन के लिए 19 हजार करोड़ का आवंटित किए गए हैं। नई योजना में 10वीं वलास में मेरिट में आने वाले सभी स्टूडेंट्स को लेपटॉप दिया जाएगा। वहीं, 9वीं वलास में पढ़ने वाली सभी बहियों को मुफ्त साइकिल दिए जाने की घोषणा की गई है।



हाई अलर्ट पर भारत: बढ़ते वैश्विक तनाव के बीच रक्षा तैयारियों की समीक्षा, राजनाथ सिंह की अगुवाई में हुई बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। हालिया वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा घटनाक्रम के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) जनरल अनिल चौहान, तीनों सेनाओं के प्रमुख, डीआरडीओ के चेयरमैन डॉ. समीर कामत सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य और भारत की रक्षा तैयारियों का विस्तृत आकलन किया गया। दरअसल पिछले दिनों 22 मार्च को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सीसीएस बैठक हुई थी, जिसमें ऊर्जा और उर्वरक सप्लाई की समीक्षा की गई थी।

कोलंबिया में वायुसेना का विमान क्रैश, 66 की मौत

● 114 कोलंबियाई सैनिक और 11 क्रूमैंबर सवार थे; टेकऑफ के बाद 1.5किमी. दूर गिरा

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया में सोमवार को एयरफोर्स का हरक्युलिस C-130 विमान टेक-ऑफ के दौरान क्रैश हो गया। हादसे में अब तक 66 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हो गए। जबकि 4 सैनिक अभी भी लापता हैं।



एक सैन्य सूत्र ने AFP को बताया कि 58 सैनिक, छह वायुसेना कर्मी और दो पुलिस अधिकारी मारे गए हैं। यह हादसा पेरू सीमा के पास दक्षिणी अमेजन क्षेत्र के प्यूटो लेगुइजासो में हुआ। रक्षा मंत्री पेद्रो सांचेज ने बताया कि विमान रनवे से करीब 1.5 किलोमीटर दूर जाकर गिरा। विमान में 114 सैनिक और 11 क्रूमैंबर सवार थे। कोलंबिया की सेना ने बताया कि इस हादसे में करीब 80 सैनिकों के मारे जाने की आशंका है।

कोलंबियाई राष्ट्रपति ने हादसे पर दुःख जताया: कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेद्रो ने सैन्य विमान हादसे पर दुःख जताया है।

केवल हिंदू-बौद्ध-सिख ही अनुसूचित जाति का दावा कर सकते हैं:

सुप्रीम कोर्ट का फैसला- धर्म बदला तो अनुसूचित जाति का दर्जा भी खत्म हो जाता है

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि केवल हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से जुड़े लोग ही अनुसूचित जाति का दर्जा प्राप्त कर सकते हैं। अगर कोई ईसाई या किसी और धर्म में धर्मांतरण करता है तो वह अनुसूचित जाति का दर्जा खो

देगा। जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि ईसाई धर्म अपनाने वाला दलित व्यक्ति अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मिलने वाले किसी भी लाभ का दावा नहीं कर



सकता है। यह फैसला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के मई 2025 के फैसले के खिलाफ सुनाया गया। धर्म परिवर्तन के बाद पादरी बने चिंथदा आनंद ने याचिका लगाई थी कि उन्हें अक्काला रामिरेडु समेत कुछ लोगों से जातिगत भेदभाव और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा।

चिंथदा ने SC-ST एक्ट के तहत मामला दर्ज करवाया था। मामला हाईकोर्ट पहुंचने पर इस पर सुनवाई से इनकार कर दिया था। इसके बाद चिंथदा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। यह था पूरा मामला: यह मामला विशाखापट्टनम जिले के अनाकापल्ली

का है, जहां मूल रूप से एससी (माला समुदाय) के चिंथदा ने ईसाई धर्म अपना लिया और पादरी बन गया। केस की जांच के दौरान पता चला था कि ईसाई धर्म अपनाने के कारण चिंथदा का अनुसूचित जाति का प्रमाणपत्र रद्द कर दिया गया था।

मोदी बोले- ईरान जंग जारी रही तो गंभीर दुष्परिणाम होंगे: आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया के हालात पर राज्यसभा में मंगलवार को 21 मिनट बोले। उन्होंने कहा कि अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग जारी रही तो इसके दुष्परिणाम होंगे। आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेने वाला है। इसमें सफलता के लिए राज्यों का सहयोग जरूरी होगा।



आने वाले समय में हमारे देश की बड़ी परीक्षा

पीएम मोदी ने कहा कि सरकार ने इंटर मिनिस्ट्रियल ग्रुप बनाया है, जो इम्पोर्ट और एक्सपोर्ट में आने वाली दिक्कतों का आकलन करता है। कोरोना के समय में अलग-अलग सेक्टर से निपटने के लिए अफसरों के एम्पॉवर्ड ग्रुप बने थे, वैसे ही अभी 7 एम्पावर्ड ग्रुप बने हैं। सरकार कोशिश कर रही है कि आने वाले बुआई के सीजन में किसानों को खाद मिलती रहे। सरकार ने खाद की सप्लाई के लिए तैयारी की है। किसानों को आश्वस्त करूंगा कि सरकार हर चुनौती के समाधान के लिए उनके साथ खड़ी है। ये राज्यों का सदन है। आने वाले समय में संकट हमारे देश की बड़ी परीक्षा लेने वाला है। इसमें सफलता के लिए राज्यों का सहयोग जरूरी है।

राज्यसभा में पीएम बोले- पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट पैदा हुआ

राज्यसभा में पीएम मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध से हम सभी परींचित हैं। इस युद्ध को 3 हफ्ते से अधिक समय हो गया है। इससे पूरे दुनिया में गंभीर ऊर्जा संकट पैदा हो गया है। भारत के लिए भी हालात चिंताजनक हैं। पेट्रोल डीजल, गैस और फर्टिलाइजर की रूटीन सप्लाई प्रभावित हो रही है। गल्फ देशों में एक करोड़ भारतीय रहते हैं। उनका जीवन और आजीविका भी भारत के लिए बड़ी चिंता है। पीएम ने कहा कि होम्स में अनेक जहाज फंसे हैं। उनमें भारतीय क्रू फंसे हैं। जरूरी है कि भारत की संसद की उच्च सदन से शांति और संवाद की एकजुट आवाज पूरी दुनिया तक जाए। युद्ध की शुरुआत के बाद से मैंने वेस्ट एशिया के देशों के राष्ट्राध्यक्षों से बात की है। गल्फ के देशों के साथ बात कर रहे हैं। अमेरिका और इजराइल के संपर्क में हैं।

पीएम बोले- मौजूदा संकट ने पूरी दुनिया को गुला दिया

पीएम ने कहा कि बीते सालों में सरकार की कोशिश रही है कि दूसरे देशों पर निर्भरता कम से कम हो। हम आत्मनिर्भर हों, यही एकमात्र विकल्प है। 90 फीसदी से ज्यादा ट्रेड जहाजों पर होता है। यह वैश्विक संकट में ऐसी स्थिति को और गंभीर बना देती है। बीते दशक में किए गए प्रयासों से भारत अपने जरूरतों के अधिकांश हथियार भारत में बना रहा है। एक समय था, जब भारत जीवन रक्षक दवाइयों के लिए दूसरे पर निर्भर था। रैयर अर्थ मीनरल में निर्भरता को लेकर भी बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। मौजूदा संकट ने पूरी दुनिया की इकॉनोमी को हिला दिया है। वेस्ट एशिया में जो नुकसान हुआ है, उससे उबरने में बहुत समय लगेगा। भारत पर इसका कम असर हो, इसके लिए लगातार कोशिश की जा रही है। सरकार पल-पल बदलते हालात पर नजर रख रही है।

ईरान में गैस प्लांट और पाइपलाइन पर हमला

हिजबुल्लाह का 5 इजराइली टिकानों पर मिसाइल अटैक; जंग में अब तक 2663 मौत



तेल अवीव/तेहरान/वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 25वां दिन है। ईरान में मंगलवार को कई जगह एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमला हुआ।

मिडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान के इस्फहान शहर में गैस प्लांट और गैस कंट्रोल स्टेशन को निशाना बनाया गया। इसके अलावा खोरमशहर के पावर प्लांट और उसकी गैस पाइपलाइन पर भी हमला हुआ। वहीं लेबनान में ईरान समर्थक उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह ने आज इजराइल के 5 टिकानों पर मिसाइल और ड्रोन अटैक किया। हिजबुल्लाह ने बताया कि उसने इजराइली सैनिकों की एक छावनी, रडार और तोपखाने को निशाना बनाया।

ट्रम्प ने ईरान पर हमला 15 दिन के लिए टाला : ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच हालिया बातचीत के बाद 15 मुद्दों पर सहमति बनी है। इन मुद्दों की पूरी लिस्ट सार्वजनिक नहीं की गई है। उन्होंने ईरान के पावर प्लांट पर हमले 5 दिन के लिए टाल दिए, जबकि इससे पहले होम्सुंज खोलने के लिए 48 घंटे की चेतावनी दी थी।

ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि तेहरान और वाशिंगटन के बीच कोई बातचीत नहीं हो रही है। वहीं, पाकिस्तान, मिस्र और तुर्किये के साथ मिलकर ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने रविवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से बातचीत की।

सुप्रीम कोर्ट बोला: महिला अफसर सेना में स्थायी कमीशन की हकदार

इससे इनकार करना भेदभाव था; जिनकी सर्विस खत्म हुई, उन्हें भी पेंशन मिलेगी

जरूरी 20 साल की सर्विस पूरी कर ली है, भले ही उन्हें पहले ही सेवा से हटा दिया गया हो। दरअसल, कोर्ट का यह फैसला सुचेता एडन समेत अन्य महिला अफसरों की याचिकाओं पर आया, जिनमें केंद्र की परमानेंट कमीशन से जुड़ी 2019 की पॉलिसी और आर्म्ड फोर्स ट्रेडिशनल के फैसलों को चुनौती दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने 3 राहत दी...

● जिन SSC अफसरों को 2020-21 में नंबर 5 सेलेक्शन बोर्ड या AFT (ट्रिब्यूनल) के फैसले के



आधार पर पहले ही स्थायी कमीशन (PC) मिल चुका है, उनका स्टेटस नहीं बदला जाएगा। ● जो महिला SSC अफसर

(अपीलकर्ता) इस केस के दौरान सेवा से बाहर हो गईं, उन्हें मान लिया जाएगा कि उन्होंने 20 साल की जरूरी सेवा पूरी कर ली है। उन्हें

पेंशन और उससे जुड़े सभी लाभ मिलेंगे, लेकिन पिछला वेतन (एग्रियर) नहीं मिलेगा। ● वर्तमान में जो महिला अफसर सेवा में हैं, उन्हें 60% कटऑफ पूरा करने पर परमानेंट कमीशन मिलेगा। बशर्ते उन्हें जरूरी मंजूरी मिली हो। यह आदेश उन महिला अधिकारियों पर लागू नहीं होगा जो JAG (जज एडवोकेट जनरल) और AEC (एजुकेशन कॉर्पोरेशन) में हैं, क्योंकि उन्हें 2010 से ही स्थायी कमीशन के लिए विचार का मौका मिलता रहा है। सीजेआई ने आर्मी, नेवी और

एयर फोर्स के लिए कहा **आर्मी:** क्या ACR यानी परफॉर्मेंस रिपोर्ट सही तरीके से बनी? हमने पाया है कि ACR इस सोच के साथ लिखे गए कि महिलाओं को आगे मौका नहीं मिलेगा। इससे महिला अफसरों की मेरिट पर असर पड़ा, पुरुष अधिकारियों से पीछे रहें। महिलाओं को जरूरी ट्रेनिंग भी नहीं दी गई। यह उनके करियर के खिलाफ गया। ऑर्टिकल 142 के तहत 'पूर्ण न्याय' के लिए आदेश दे रहे हैं। **नेवी:** ACR में यहां भी पूर्वाग्रह मिला। लेकिन 'डायनेमिक वैकेंसी मॉडल' सही और गैर-भेदभावपूर्ण है। अधिकारियों को मूल्यांकन का पूरा मापदंड नहीं बताया गया, यह बड़ी कमी।

एयर फोर्स: न्यूनतम प्रदर्शन मानदंड जल्दबाजी में लागू किए गए। 2007 बैच को 2020-21 में आंका गया, यह प्रक्रिया ठीक नहीं। प्रक्रिया में खामियां होने के बावजूद कोर्ट ने पुनर्निर्दिष्टता का आदेश दिया। **कोर्ट के फैसले पर किसने क्या कहा:** सीनियर एडवोकेट वी. मोहना ने कहा कि सेना में शॉर्ट सर्विस कमीशन (SSC) में महिला अफसरों को स्थायी कमीशन देने का मामला में यह बड़ा कदम है। सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी ने कहा इस फैसले के लिए कोर्ट का धन्यवाद है। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि कोर्ट के इस फैसले पर हम भी आभारी हैं।



नई दिल्ली, एजेंसी। आर्मी, नेवी और एयर फोर्स की महिला शॉर्ट सर्विस कमीशन (SSC) अफसर, जिन्हें परमानेंट कमीशन नहीं मिला अब उन्हें पूरी पेंशन मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला मंगलवार को सुनाया। कोर्ट ने कहा कि महिला अफसरों को स्थायी

कमीशन न देना उनकी योग्यता की कमी नहीं, बल्कि व्यवस्था में मौजूद भेदभाव का नतीजा था। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्ज्वल भुईयां और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह की बेंच ने कहा- अब यह माना जाएगा कि इन महिला अफसरों ने पेंशन के लिए

जम्मू-कश्मीर में 48 घंटे बाद फिर बदलेगा मौसम का मिजाज, बारिश और बर्फबारी का अलर्ट



जम्मू, एजेंसी। अगले 48 घंटों तक मौसम साफ रहने के बाद 26 मार्च से दोबारा बारिश की संभावना है। फिर 29 मार्च तक आसमान में बादल छाए रहने के साथ कहीं-कहीं बारिश होगी। बीच-बीच में धूप जरूर खिलेगी लेकिन आंशिक बादल छाएंगे और कहीं-कहीं हल्की बारिश भी होगी। इससे पहले 24 और 25 मार्च को मुख्यतः आसमान साफ ही रहेगा। विभाग ने 26 मार्च को कई इलाकों में बारिश की संभावना जताई है। वहीं, उच्च पर्वतीय श्रृंखलाओं पर हल्की बर्फ पड़ने की भी संभावना जताई गई है। इसी बीच सोमवार को जम्मू शहर व आसपास के इलाकों में मौसम साफ ही रहा। शाम के समय आंशिक बादल भी छाए। दिन के समय तीखी धूप निकली। मौसम के इस बदले मिजाज के चलते ही सोमवार को जम्मू का अधिकतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया जबकि न्यूनतम पर पारा 15.0 डिग्री सेल्सियस पर रहा। बहुत से लोगों ने दोपहर के समय गर्म कपड़े दोबारा खोल दिए जो पिछले कुछ दिनों में दोबारा मौसम सर्द होने पर लोगों ने लगा लिए थे। फिलहाल मौसम के मिजाज बदले हुए हैं।

गाजियाबाद में डबल मर्डर, अवैध संबंधों के शक में पत्नी और उसके दोस्त के सिर पर बेरहमी से तार कर हत्या

साहिबाबाद, एजेंसी। ट्रेनिका सिटी थाना क्षेत्र में अवैध संबंधों के शक में एक सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड का मामला सामने आया है। पति ने अपनी पत्नी और उसके कथित प्रेमी को सिर पर भारी वस्तु से वार कर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी पति फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस टीमें जुटी हुई हैं। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान शबनम (36) और फहीम (32) के रूप में हुई है। शबनम आरोपी राशिद की पत्नी थी, जबकि फहीम को राशिद का दोस्त बताया जा रहा है। पुलिस को रात 12-40 बजे डायल 112 पर सूचना मिली कि ट्रेनिका सिटी थाना क्षेत्र के बुद्ध बाजार मोहल्ले में झगड़ा हुआ है, जिसमें दो लोग घायल हो गए हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो राशिद के मकान में शबनम और फहीम के शव पड़े मिले। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फहीम रात में शबनम से मिलने घर आया था। इसी दौरान राशिद भी घर पहुंच गया, जिसके बाद तीनों के बीच विवाद हो गया। गुस्से में राशिद ने सिर पर भारी वस्तु से वार कर दोनों की हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। पुलिस उपयुक्त ग्रामीण सुरेद्र नाथ तिवारी ने बताया कि मामले में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तीन पुलिस टीमों का गठन किया गया है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मृतकों के परिजनों से तहरीर ली जा रही है। फील्ड यूनिट ने मौके का निरीक्षण कर लिया है और शवों को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

प्रदूषण बोर्ड की कार्यवाही से साहिबाबाद के उद्यमी नाराज, बिना नोटिस बिजली कनेक्शन काटने का आरोप



साहिबाबाद (गाजियाबाद), एजेंसी। औद्योगिक क्षेत्र साइट चार के उद्योगों का आरोप है कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड बिना किसी सूचना के उद्योगों पर कार्रवाई कर रहा है। सोमवार को बिना किसी सूचना और निरीक्षण के कई औद्योगिक क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति बंद कर दी गई। साहिबाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने इसकी निष्पक्ष जांच कराने की मांग प्रशासन से की है। एसोसिएशन के महासचिव मुकेश गुप्ता ने बताया कि कई इकाइयों ने समय के साथ अपने कार्य में परिवर्तन कर नान-पॉल्यूटिंग गतिविधियां बढ़ाई हैं। ऐसे में बिना सत्यापन के सामूहिक कार्यवाई से बड़ी संख्या में इकाइयां प्रभावित हुई हैं। उद्यमी प्रवीण जैन ने भी बताया कि बिना नोटिस या निरीक्षण के बिजली काटे जाने से उत्पादन बाधित हुआ है और उद्योगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उद्योग पहले ही गैस आपूर्ति, कच्चे माल और श्रमिक उपलब्धता जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। उद्योगों ने मांग रखी कि इस मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और नियमों का पालन करने वाली व नान-पॉल्यूटिंग इकाइयों की बिजली तत्काल बहाल की जाए। इसके अलावा भ्रष्टाचार में ऐसी कार्यवाई से पूर्व उचित सूचना एवं सत्यापन सुनिश्चित किया जाए।

चुनाव आयोग ने SIR के बाद जारी की पहली पूरक सूची; 60 लाख नामों की हुई समीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया के बाद पहली पूरक मतदाता सूची जारी कर दी है। चुनावी माहौल के बीच पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने सोमवार देर रात एसआईआर (स्पेशल इंटीमिड रिवाइज) प्रक्रिया के बाद पहली पूरक मतदाता सूची जारी कर दी। यह सूची रात करीब 11:55 बजे आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई, जिसमें उन मतदाताओं के नाम शामिल हैं जिनके मामलों का निपटारा किया जा चुका है। 60 लाख नाम थे जांच के दायरे में 28 फरवरी को जारी अंतिम वोट लिस्ट में करीब 60 लाख नाम अंडर एडजुडिकेशन यानी जांच के दायरे में रखे गए थे। इसके बाद 705 न्यायिक अधिकारियों को इन मामलों की जांच सौंपी गई थी। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल के अनुसार, अब तक लगभग 29 लाख नामों पर फेसला लिया जा चुका है। कितने नाम जुड़े, कितने डेटे-अभी स्पष्ट नहीं। हालांकि, अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि पूरक मतदाता सूची में कितने नाम जोड़े गए हैं और कितने हटाए गए हैं। कई लोगों ने यह भी शिकायत की कि वेबसाइट पर सूची उपलब्ध होने के बावजूद उसे डाउनलोड करने में दिक्कत आ रही है। कैसे हुई जांच प्रक्रिया अधिकारियों ने बताया कि यह पूरी प्रक्रिया काफी विस्तृत और पारदर्शी रही है। 705 न्यायिक अधिकारियों को इस काम में लगाया गया था, जिन्होंने तय किया कि किस नाम को सूची में शामिल करना है और किस हटाना है। आयोग ने कहा कि यह प्रक्रिया पूरी तरह नियमों के तहत की गई है, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो।

दिल्ली में दो गुना हुआ ई-बसों का बेड़ा, निजी वाहन घटे, इलेक्ट्रिक बसों और मेट्रो विस्तार पर जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मौजूदा वित्तीय वर्ष में ई-बसों की संख्या पिछले वित्तीय वर्ष के मुकाबले दो गुनी हो गई है। कोविड काल के बाद पहली बार निजी वाहनों की संख्या में गिरावट देखी है। दिल्ली में मौजूदा वित्तीय वर्ष में ई-बसों की संख्या पिछले वित्तीय वर्ष के मुकाबले दो गुनी हो गई है। कोविड काल के बाद पहली बार निजी वाहनों की संख्या में गिरावट देखी है। आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक, अप्रैल 2025 में 2,150 ई-बसों की तुलना में मार्च 2026 इनकी संख्या 4,338 हो गई है। आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1,600 नई बसें जोड़ी जानी हैं। निजी वाहनों में सालाना 0.63 फीसदी की गिरावट देखी रही है।



20 मार्च 2026 तक 10,341 करोड़ रुपये यानी करीब 85.38 प्रतिशत राशि खर्च की जा चुकी है।

सर्वेक्षण के अनुसार, परिवहन बेड़े में वर्ष 2026-27 तक 1,600 नई बसें जोड़ी जानी हैं। इनमें 50 मेट्रो फोडर बसें भी शामिल होंगी। 2,800 नई इलेक्ट्रिक बसों की मांग रखी गई है। इसमें 1,380 बसें डीटीसी, 1,420 बसें परिवहन विभाग के लिए प्रस्तावित हैं। 3,330 अतिरिक्त ईवी बसों का प्रस्ताव भी पीएम-ई-ड्राइव योजना के तहत भेजा गया है।

के तहत भेजा गया है।

दिल्ली में घटी निजी वाहनों की संख्या: रिपोर्ट के तहत 2024-25 में कुल पंजीकृत निजी वाहनों की संख्या घटकर 81,18,294 रह गई। पिछले वर्ष की तुलना में 51,905 वाहनों की कमी दर्शाती है। वर्ष 2014-15 में जहां दिल्ली में कुल वाहन 88.27 लाख थे।

वहीं 2020-21 तक यह संख्या बढ़कर 1.22 करोड़ के पार पहुंच गई थी। 2021-22 से में 10 वर्ष से अधिक पुराने

डीजल, 15 वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों पर लगाई गई पाबंदी से 64.25 लाख से अधिक वाहन डी-रजिस्टर हो चुके हैं। इस नीति का सबसे अधिक असर 2021-22 में दिखा, जब एक साल में करीब 43 लाख वाहनों की कमी दर्ज हुई।

मेट्रो दिल्ली के परिवहन ढांचे की रीढ़: रिपोर्ट बताती है कि मेट्रो सेवा भी दिल्ली के

परिवहन ढांचे की रीढ़ बनी हुई है। वर्तमान में दिल्ली मेट्रो में औसत दैनिक यात्री संख्या लगभग 67 लाख तक पहुंच गई है। मार्च 2026 तक डीटीसी और परिवहन विभाग के पास बसों का बेड़ा 6,100 है। सरकार का जोर इलेक्ट्रिक वाहनों के विस्तार और सार्वजनिक परिवहन की अधिक पर्यावरण-अनुकूल बनाने पर है।

दिल्ली में 4.7 लाख ई-वाहन हुए पंजीकृत

दिल्ली में मेट्रो वाहनों की संख्या 87.61 लाख तक पहुंच चुकी है। इनमें कार और जीप लगभग 25 प्रतिशत हैं, जबकि दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी करीब 68 प्रतिशत है। इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। 20 मार्च 2026 तक दिल्ली में करीब 4.7 लाख ई-वाहन पंजीकृत हो चुके हैं। दिल्ली में परिवहन विभाग ने दूसरे चरण सारी सेवाएं फेसलेस हो गई हैं। इससे 54 लाख से ज्यादा लोगों को फायदा हुआ है।

दिल्ली ईवी नीति के तहत दी 203 करोड़ की सब्सिडी

दिल्ली ईवी नीति के तहत अब तक 91,031 लाभार्थियों को कुल 203.35 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी जा चुकी है। आम लोगों की सुविधा के लिए 'वन दिल्ली' मोबाइल ऐप के जरिए सार्वजनिक ईवी चार्जिंग और बैटरी स्वीपिंग स्टेशनों की जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है। मुफ्त बस यात्रा योजना के तहत वर्ष 2025-26 (फरवरी 2026 तक) में 56.21 करोड़ महिला यात्रियों ने डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की, जिस पर सरकार ने 562.17 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी।

हिमाचल कैसे बनेगा आत्मनिर्भर, जब अधिकारी नहीं मुख्यमंत्री बना रहे बजट

शिमला, एजेंसी। जिस प्रदेश का बजट अधिकारी नहीं मुख्यमंत्री बनाए तो भगवान ही मालिक होगा। वित्तीय स्थिति इतनी खराब कर दी है कि हिमाचल को वेंडोलेटर पर पहुंचा दिया है। ये बात विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविन्द सिंह सुक्खू द्वारा पेश बजट पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि क्या ये वित्तीय आपातकाल की स्थिति नहीं पैदा हो गई है कि वेतन के कुछ प्रतिशत को छह माह के लिए टाल दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में हम भी सहयोग को तैयार हैं। प्रदेश दस साल पीछे चला गया है और बजट के आधार पर चार साल पीछे दिखाया है। बजट का में समर्थन नहीं कर सकता क्योंकि विकास के बजट को 62 प्रतिशे तक कम कर दिया। एक तरफ कहते हैं कि राजस्व सरप्लस नहीं हो सकते दूसरी तरफ



कह रहे हैं कि 2027 में आत्मनिर्भर करोगे तो कैसे होगा। उन्होंने बताया कि अब तक जितने भी मुख्यमंत्री रहे सुखविन्द सिंह सुक्खू ने औसत 16 प्रतिशत की वृद्धि के साथ ऋण लिया। जबकि 60 प्रतिशत की दर से ऋण वापिस किया जबकि हमने मुख्यमंत्री रहते औसत 7.02

प्रतिशत की दर से ऋण लिया और 95 प्रतिशत की दर से ऋण वापिस किया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्रियों से लेकर अब तक लिए ऋण का डाटा भी रखा और स्वावल ख? किए। उन्होंने कहा लाकों नौकरियों को देना था उसकी जगह 15000 नौकरियों को समाप्त कर दिया।

जयराम ठाकुर ने कहा कि इस बार बजट प्रस्तुत करने में व्यवस्थाएं तार-तार हो गईं। आल्टो गाड़ी छोड़ दी। ऐसा शब्द इस्तेमाल किया स्वाभाविक है। ऐसा नीरस बजट सत्ता पक्ष वाले भी ऊब रहे थे। पहली बार मुख्यमंत्री ने हस्तक्षेप करने की कोशिश की लेकिन जयराम ठाकुर ने भी ऐसे तो मुश्किल हो जाएगी। सब कुछ नादौन वे देहरा को बाकी को कुछ नहीं। अगली ख्याईश दोबारा आने की मत रखना आपको बहुत पीड़ा होगी। अगला अंतिम बजट होगा तब तक विदाई की शहनाई बज जाएगी। पहली बार 2023 में जितने का बजट पेश किया उससे कम का बजट पेश किया तो कहा आगे जायेंगे। विकास के लिए बजट 5 से 6 रुपए रह गया है। जबकि भाजपा सरकार के समय 100 में से 44 रुपए था जो अब 20 रुपए दिखाया है। जो पहली साल 29 रुपए था।

ईरान से जंग में ट्रंप ने क्यों लिया यू-टर्न भारी खर्च तेल संकट और अंतहीन युद्ध का डर



वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 36 घंटे पहले ही ईरान को पूरी तरह बर्बाद करने की धमकी दी थी, अचानक युद्ध-निरागम और सार्थक बातचीत की ओर मुड़ गए। दरअसल, ट्रंप अपने ही जाल में फंस गए हैं। अचानक क्या हो गया, आइए जानते हैं इसे... ईरान के दो वार और हांपने

लगा अमेरिकाने जानिए आरिखर कैसे नरम पड़े ट्रंप के तेवर, अब युद्ध खत्म करने की कर रहे बात इस युद्ध में अमेरिका को रोजाना करीब 1.38 अरब डॉलर खर्च करना पड़ रहा है। शुरुआती 6 दिनों में ही 11.3 अरब डॉलर और अगले 12 दिनों में 16.5 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं। पेंटागन ने 200 अरब डॉलर

से अधिक की राशि और मांगी है। इसे काग्रेस यानी संसद से पारित कराना होगा, जिसके पारित होने की उम्मीद कम है। कायर एवं कागजी शेर जैसे संबोधन सुनने के बाद भी नाटो समेत सहयोगी देश साथ नहीं आए। 22 देशों ने होर्मुज पर समन्वय के लिए हस्ताक्षर किए। किसी ने युद्धपोत नहीं भेजे। कतर में एलएनजी बंद होने व पांच साल तक अप्रत्याशित संकट से यूरोप में गैस की कीमतें 35व बढ़ गईं। जापान को रणनीतिक भंडार निकालना पड़ा। विचलित अमेरिका चीन व रूस को मजबूत करता है। तेल दबाव का मुख्य बिंदु है... खाड़ी देशों में अशांति के मायने हैं, कीमतों में भारी उछाल। दुनियाभर में असर दिखने लगा है।

ट्रैफिक कंट्रोलर बोला- मैंने गलती कर दी न्यूयॉर्क के एयरपोर्ट पर बड़ी विमान दुर्घटना



अल्बानी, एजेंसी। न्यूयॉर्क के ला गार्डिया एयरपोर्ट पर रविवार देर रात एक बड़ा विमान हादसा हो गया। एयर कनाडा के एक विमान की लैंडिंग के दौरान फायर ट्रक से टकरा हो गई। इस भीषण टक्कर में विमान के पायलट और सह-पायलट की मौत हो गई। इस दुर्घटना में कई अन्य लोग घायल हुए हैं। यह हादसा स्थानीय समयानुसार रविवार रात करीब 11:46 बजे हुआ। 70 से ज्यादा यात्रियों को लेकर एयर कनाडा का विमान मॉन्ट्रियल से ला गार्डिया एयरपोर्ट पर उतर रहा था। इसी दौरान एक फायर ट्रक टैक्सियों पार कर रहा था। यह फायर ट्रक किसी अन्य विमान में आई गंध की सूचना पर जांच के लिए भेजा गया था। एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने फायर

ट्रक को रुकने का निर्देश दिया था, लेकिन यह निर्देश स्पष्ट रूप से नहीं पहुंचा या उसका पालन नहीं हुआ। इसके तुरंत बाद विमान और फायर ट्रक के बीच भीषण टक्कर हो गई। घटना के बाद एयरपोर्ट संचार पर एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को यह कहते हुए सुना गया कि हम पहले हुए आपात स्थिति से निपट रहे थे। मैंने गलती कर दी। यह घटना

एयर ट्रैफिक कंट्रोलर के समन्वय में गंभीर चूक की ओर इशारा करती है। विमान में सवार लगभग 40 सदस्यों को चोटें आईं, जिनमें से कुछ गंभीर थीं। फायर ट्रक में सवार दो लोग भी घायल हुए। अधिकांश घायलों को सोमवार सुबह तक अस्पताल से छुड़ी दे दी गई। टक्कर के कारण विमान का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

क्या जंग शमेगी या और भड़केगी ट्रंप बातचीत में नेतन्याहू हमले तेज करने के मूड में

यरूशलम, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल-ईरान जंग के 24 दिन पूरे हो गए हैं। एक तरफ कूटनीतिक बातचीत की हलचल तेज हुई है, तो दूसरी तरफ सैन्य गतिविधियां भी जारी हैं। मध्य पूर्व में तनाव के बीच इजराइली पीएम बेजांमिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अलग-अलग रुख ने हालात को और गंभीर बना दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 23 तारीख को बड़ा फैसला लेते हुए ईरान के पावर प्लांट्स पर हमले को 5 दिन के लिए टाल दिया और कहा कि ईरान के साथ शांति वार्ता जारी है। यानी अमेरिका फिलहाल बातचीत से समाधान चाहता है। ट्रंप से फोन पर बात करने के बाद इजराइल के पीएम नेतन्याहू ने कहा कि हम ईरान और लेबनान पर हमले लगातार जारी रखेंगे, यह रुकने वाला नहीं है, हम अपने हितों की हर हाल में रक्षा करेंगे। नेतन्याहू के मुताबिक ईरान के मिसाइल और परमाणु कार्यक्रम को नुकसान पहुंचा भारी झटका लगा। उन्होंने हाल ही में 2 ईरानी परमाणु वैज्ञानिकों को मार गिराने का दावा भी किया है। यह स्थिति साफ दिखाती है कि अमेरिका बातचीत और समझौता चाहता है जबकि इजराइल सैन्य दबाव बनाए रखना चाहता है। दोनों के लक्ष्य अलग-अलग नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार ईरान के पास 60त से ज्यादा समृद्ध करीब 400 किलो यूरेनियम है।



शांति वार्ता के दावों के बावजूद नहीं थम रहे हमले ईरान के कई शहरों में हुए धमाके

यरूशलम, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इजराइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इजराइल और खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब अपने 25वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। शांति वार्ता की चर्चाओं के बीच ईरान के कई शहरों पर हमले हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान के तेहरान, तब्रिज, इस्फहान और करज जैसे शहरों में हवाई हमले हुए हैं। ये हमले बीते 24 घंटे के दौरान हुए हैं। इन शहरों में धमाकों की आवाजें सुनी गई हैं।

ईरानी संसद के एक सदस्य ने अमेरिका से बातचीत को एक सांसद ने अमेरिका के साथ बातचीत शुरू करने से पहले देश के नेतृत्व को आगाह किया है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी ऐसा हुआ है, जब ईरान अमेरिका के साथ शांति वार्ता कर रहा था तो अमेरिका की तरफ से हमले किए गए। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार नहीं है जब अमेरिका ने हमसे बातचीत को लेकर झूठ बोला। ईरानी संसद के सदस्य और ईरान

की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के सदस्य इस्माइल कोवसारी ने कहा कि ट्रंप और नेतन्याहू झूठे हैं और वे बातें में विश्वास रखते इजराइली सेना ने एक बयान में कहा है कि इजराइली एयर डिफेंस को सक्रिय किया गया है क्योंकि ईरान की तरफ से मिसाइल हमला हुआ है। सेना ने इलाकों को निर्देश मिलते ही बंकर में जाने की सलाह दी है। कुवैत की सेना ने कहा है कि उन पर

मिसाइल और ड्रोन से हमला हुआ, जिसे कुवैत के एयर डिफेंस सिस्टम ने रोक लिया। हालांकि कुछ ड्रोन कुवैत की सीमा में गिरे हैं। कुवैत सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे सुरक्षा निर्देशों का सख्ती से पालन करें। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलाइन लीवित ने एएनआई से बातचीत में स्पष्ट किया कि ईरान के अधिकारियों से इस हफ्ते अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, यूएस विशेष शांति मिशन प्रतिनिधि स्टीव विटकोफ और पूर्व सीनियर एक्वाड्रन जैड कुशरन की संभावित बैठक को लेकर कोई अंतिम निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। लीवित ने कहा ये संवेदनशील कूटनीतिक चर्चाएं हैं और अमेरिका प्रेस के माध्यम से कोई बातचीत नहीं करेगा।

एनएसएस विशेष शिविर का शुभारंभ, स्वयंसेवकों ने श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली, के स्वयंसेवकों द्वारा ग्राम जोबा में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ किया गया यह आयोजन मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशन एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता भारती के मार्गदर्शन में अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रोवा के सहयोग से सम्पन्न हुआ कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई इसके बाद स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास एवं व्यायाम कर दिन की शुरुआत की शिविर के प्रथम दिवस स्वयंसेवकों ने श्रमदान करते हुए स्वच्छता अभियान चलाया और समाज को स्वच्छता



एवं सेवा का संदेश दिया। शिविर का मुख्य उद्देश्य स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व एवं चरित्र निर्माण के साथ-साथ सेवा के माध्यम से शिक्षा प्राप्त करना तथा समाज और राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक

योगदान देना है कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उप सरपंच राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि छात्र सेवा भाव के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं विशिष्ट अतिथि, शासकीय हाई

स्कूल जोबा के प्राचार्य जगत प्रताप सिंह ने एनएसएस की भूमिका को समाज एवं राष्ट्र विकास में महत्वपूर्ण बताया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता भारती ने अपने अध्यक्षीय उद्घोषण



में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और सामाजिक संवेदनशीलता विकसित करने का सशक्त माध्यम है ऐसे शिविर विद्यार्थियों को समाज के प्रति

उनकी जिम्मेदारियों का बोध कराते हैं। कार्यक्रम में डॉ. एस. आर. भारती, विजय भान सिंह, संतोष कुमार नामदेव, मनीष सोनी सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

विश्व टीबी दिवस पर 100 दिवसीय 'टीबी-मुक्त भारत अभियान' का शुभारंभ

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। विश्व टीबी दिवस के अवसर पर जिला स्वास्थ्य समिति (क्षय) द्वारा 'जन-जन का रखे ध्यान, टीबी-मुक्त भारत अभियान' के तहत 100 दिवसीय विशेष अभियान का भव्य शुभारंभ जिला चिकित्सालय परिसर में किया गया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विधायक रीती पाठक रही जिन्होंने दीप प्रज्वलित कर अभियान की शुरुआत की। मुख्य अतिथि रीती पाठक ने कहा कि टीबी जैसी गंभीर बीमारी को समाप्त करना केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि पूरे समाज की प्राणीदारी आवश्यक है उन्होंने प्रधानमंत्री के 'टीबी मुक्त भारत' संकल्प को साकार करने के लिए जन-जागरूकता को सबसे महत्वपूर्ण हथियार बताया उन्होंने कहा कि लोगों को टीबी के लक्षण-लगातार खांसी, वजन घटना, बुखार और कमजोरी-की जानकारी होना जरूरी है ताकि समय पर जांच और उपचार हो सके

विधायक ने विशेष रूप से युवाओं और छात्र-छात्राओं से 'टीबी जागरूकता दूत' बनने का आह्वान किया ताकि वे अपने परिवार और समाज में जागरूकता फैला सकें। उन्होंने यह भी बताया कि टीबी का इलाज संभव है और सरकार द्वारा निःशुल्क जांच एवं उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान रीती पाठक ने 'निक्षय मित्र' बनकर दो जरूरतमंद टीबी मरीजों को गोद लेने का संकल्प लिया और अन्य लोगों से भी इसमें भागीदारी करने की अपील की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबीता खरे ने बताया कि इस 100 दिवसीय अभियान के दौरान जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर स्क्रीनिंग, जांच और उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी टीबी मरीजों की शीघ्र पहचान, नियमित दवा सेवन (डॉट्स पद्धति) और पोषण सहायता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

ग्राम से शहर तक नशामुक्ति जनजागरूकता अभियान का आयोजन

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के निर्देशों के तहत जिले में स्टेट एक्शन प्लान के मापदण्डों के अनुरूप नशामुक्ति जनजागरूकता कार्यक्रम 25 मार्च 2026 को आयोजित किए जाएंगे जिले के सभी ग्रामीण और नगरीय निकायों, साथ ही सभी जनपद पंचायतों में आयोजित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। निर्देशित किया गया है कि कार्यक्रम शासकीय एवं अशासकीय स्कूल, कॉलेज, छात्रावासों सहित सभी समुदायिक स्तर पर आयोजित किए जाएँ ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान का लाभ उठा सकें।

जल गंगा संवर्धन अभियान बना जनआंदोलन, जल संरक्षण को मिली नई दिशा

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान अब जनआंदोलन का रूप लेता नजर आ रहा है 19 मार्च से प्रारंभ हुए इस 100 दिवसीय अभियान में शासकीय अमले के साथ-साथ ग्रामवासियों की सक्रिय भागीदारी इसे और अधिक प्रभावी बना रही है गांव-गांव में लोग जल संरक्षण का संकल्प लेकर श्रमदान के माध्यम से जल स्रोतों के पुनर्जीवन में जुटे हुए हैं अभियान के तहत नदियों, तालाबों, कुओं और बावड़ियों के जीर्णोद्धार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है गाद निकासी, गहरीकरण और साफ-सफाई जैसे कार्य तेजी से किए जा रहे हैं जिससे जल संग्रहण क्षमता में वृद्धि हो रही है। यह पहल आगामी गर्मी के मौसम में संभावित पेयजल संकट से निपटने के लिए मजबूत आधार तैयार कर रही है ग्रामीण क्षेत्रों में कूपों के पुनर्जीवन और नई जल

संरचनाओं के निर्माण से जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं अभियान के अंतर्गत चेकडैम, तालाब निर्माण एवं अन्य जल संरचनाओं के माध्यम से वर्षा जल संचयन को बढ़ावा दिया जा रहा है इससे भूजल स्तर में सुधार लाने की दिशा में सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। जल स्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने और नदियों को प्रदूषण मुक्त करने के लिए स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत भी कार्य किए जा रहे हैं नलों के शोधन और अपशिष्ट प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है अभियान की सबसे बड़ी विशेषता जनभागीदारी है। ग्रामीण, युवा एवं जनप्रतिनिधि मिलकर श्रमदान कर रहे हैं और 'जल ही जीवन है' के संदेश को साकार कर रहे हैं। जलाशयों के किनारों एवं उदम स्थलों पर पौधारोपण कर हरित क्षेत्र का विस्तार भी किया जा रहा है।

महंगाई के खिलाफ एनएसयूआई का पैदल मार्च, सरकार को दी आंदोलन की चेतावनी



मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। बढ़ती महंगाई के विरोध में आज नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं ने शहर में जोरदार पैदल मार्च निकालकर सरकार के खिलाफ अपना आक्रोश जताया यह मार्च जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्यक्ष के निर्देशानुसार जिला उपाध्यक्ष सत्यम मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित किया गया सिलेंडर की अर्थी निकालकर जताया विरोध: प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने घरेलू गैस सिलेंडर की अर्थी और

मोटरसाइकिल के साथ पैदल मार्च निकालकर महंगाई के खिलाफ अनोखा विरोध दर्ज कराया कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आम जनता को समस्याओं को उठाया। महंगाई से आमजन परेशान: प्रेस विज्ञापित में जिला उपाध्यक्ष सत्यम मिश्रा ने कहा कि देश में लगातार बढ़ती महंगाई ने आम आदमी का जीवन यापन कठिन बना दिया है उन्होंने आरोप लगाया कि घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में 60 और कर्मशिल्ज सिलेंडर में 112 की बढ़ोतरी कर दी गई है

जिससे जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है साथ ही रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम भी लगातार बढ़ रहे हैं।

केंद्र सरकार पर साधा निशाना: सत्यम मिश्रा ने केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा में अनावश्यक हस्तक्षेप का खामियाजा देश की जनता को भुगताना पड़ रहा है उन्होंने यह भी कहा कि हालात ऐसे हो गए हैं कि लोग गैस सिलेंडर के लिए लाइन में खड़े होने को मजबूर हैं जबकि प्रशासन द्वारा इसकी कोई कमी नहीं होने का दावा किया जा रहा है।

सिंधी चौराहा से हेमू कल्याणी स्थल तक निकाला मार्च: यह पैदल मार्च सिंधी चौराहा से शुरू होकर बोड़ू चौराहा, प्रकाश चौराहा होते हुए हेमू कल्याणी स्थल तक पहुंचा, जहां प्रदर्शन का समापन किया गया।

मेडिकल टेस्ट के लिए युवक को डॉक्टर ने मारा थपड़, शिकायत दर्ज



मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। पुराने विवाद में कुछ लोगों ने एक युवक पर हमला कर दिया था पुराने विवाद में कुछ लोगों ने एक युवक पर हमला कर दिया था जिले के कोल्हुडीह गांव में अर्पित जोगी (19) के साथ मारपीट का मामला सामने आया अर्पित ने आरोप लगाया कि मनीष तिवारी और पप्पू तिवारी ने पेट्रोल टंकी के पास उस पर हमला किया यह विवाद लगभग एक साल पहले अर्पित के भाई मोहित जोगी के साथ हुए झगड़े से जुड़ा बताया जा रहा है दोपहर अर्पित अपनी मां बटन जोगी और कर्मजी थाना पुलिस के साथ मेडिकल जांच

के लिए अस्पताल पहुंचे अर्पित ने आरोप लगाया कि डॉक्टर असलम खान ने उसकी एमएलसी रिपोर्ट पढ़ने पर अभद्र व्यवहार किया जिसे उन्होंने डॉक्टर ने उसे थपड़ मारा और हाथ पर नुकीली वस्तु से वार किया जिससे अर्पित घायल हो गया घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची कोतवाली थाना प्रभारी अभिषेक उपाध्यक्ष ने मामले की जांच शुरू कर दी सिविल सर्जन एसबी खरे ने पूरे मामले को गंभीरता से लिया उन्होंने बताया कि डॉक्टर असलम खान के खिलाफ पहले भी शिकायतें मिली हैं।

जनगणना 2027 की तैयारियां, फील्ड ट्रेनर्स के प्रथम बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू



मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। आगामी जनगणना 2027 के प्रथम चरण की तैयारियों के तहत जिले में फील्ड स्तर पर कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू हो गई है इसी क्रम में शासकीय उच्च शिक्षा विद्यालय क्रमांक 01 में फील्ड ट्रेनर्स के प्रथम बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण 24 मार्च से 26 मार्च 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर्स डॉ. उमेश विश्वकर्मा एवं डॉ. पुष्पेन्द्र शाह द्वारा कुल 23 फील्ड ट्रेनर्स को

जनगणना से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी जा रही है इसमें घर-घर सर्वेक्षण की विधि, डेटा संकलन की सटीकता, प्रपत्रों का सही उपयोग और डिजिटल माध्यमों के प्रयोग पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मास्टर ट्रेनर्स ने बताया कि जनगणना देश की सबसे महत्वपूर्ण सांख्यिकीय प्रक्रिया है जिसके आधार पर शासन की नीतियां, योजनाएं और विकास कार्य तय होते हैं। इस प्रक्रिया में फील्ड ट्रेनर्स की भूमिका अहम होती है क्योंकि वही जमीनी स्तर पर सही और विश्वसनीय जानकारी एकत्रित करते हैं।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों का ज्ञापन, सेवा सुरक्षा की उठी मांग



मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। प्रदेश में लंबे समय से कार्यरत शिक्षकों पर टीईटी पात्रता परीक्षा अनिवार्य किए जाने के आदेश के विरोध में मध्यप्रदेश शिक्षक कांग्रेस, जिला के तत्वावधान में शिक्षकों ने मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन के नाम ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि आयुक्त लोक शिक्षण, भोपाल द्वारा 2 मार्च 2026 को जारी निर्देशों के तहत 20 से 35 वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों के लिए भी टीईटी परीक्षा अनिवार्य कर दी गई है। इस निर्णय से बड़ी संख्या में शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं, जिनमें कई सेवानिवृत्ति के निकट भी हैं शिक्षकों ने कहा कि टीईटी परीक्षा का उद्देश्य नई नियुक्तियों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुनिश्चित करना

है न कि वर्षों से कार्यरत शिक्षकों की सेवा पर प्रश्नचिह्न लगाना सेवा के अंतिम वर्षों में इस प्रकार की अनिवार्यता प्राकृतिक न्याय और सेवा सुरक्षा के सिद्धांतों के विपरीत है ज्ञापन में यह भी कहा गया कि अन्य राज्यों और न्यायालयों ने भी लंबे समय से कार्यरत कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा देने का दृष्टिकोण अपनाया है ऐसे में इस निर्णय से

शिक्षकों में असुरक्षा की भावना बढ़ेगी, जिसका नकारात्मक प्रभाव शिक्षा व्यवस्था पर पड़ सकता है शिक्षक कांग्रेस ने मांग की है कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी परीक्षा से छूट दी जाए साथ ही संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 के तहत समानता के अधिकार और सेवा शर्तों का पालन

सुनिश्चित किया जाए ज्ञापन में चतुर्थ समयमान वेतनमान के आदेश शीघ्र जारी करने तथा नियुक्ति दिनांक से अध्यापक संवर्ग को बरिष्ठता देने की मांग भी की गई संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि शासन द्वारा शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो शिक्षकों को अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। इस अवसर पर रमाकांत शुक्ला, दिनेश पांडे, शिवेंद्र पांडे, शिवकुमार तिवारी, देवदास कोल, संकर्षण तिवारी, संजय तिवारी, अशोक कुमार पांडे, उमाशंकर मिश्रा, सुरेश चंद्र तिवारी, मीरा उपाध्याय, मनोज पांडे, शिवकुमार साकेत, अनिल पांडे सहित अन्य पदाधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

वन स्टॉप सेंटर का जागरूकता अभियान, बाल विवाह के खिलाफ कानून की दी जानकारी

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले में 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के अंतर्गत वन स्टॉप सेंटर सीधी द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया यह कार्यक्रम 23 मार्च 2026 को जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रवेश मिश्रा के निर्देशानुसार बटौली देवी मंदिर परिसर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में बाल विवाह जैसी कुरीति के प्रति जागरूकता फैलाना और इसे जड़ से समाप्त करने के लिए लोगों को प्रेरित करना रहा इस दौरान अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने बाल विवाह के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक



दुष्प्रभावों की विस्तार से जानकारी दी उन्होंने बताया कि कम उम्र में विवाह होने से बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य

पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जिससे उनकी आत्मनिर्भरता भी प्रभावित होती है। कार्यक्रम में उपस्थित



बालिकाओं, महिलाओं एवं आम नागरिकों को बाल विवाह निषेध कानून के बारे में विस्तार से बताया गया साथ ही यह भी स्पष्ट

किया गया कि बाल विवाह करना और कराना दोनों ही दंडनीय अपराध हैं अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे बाल विवाह

के खिलाफ आवाज उठाएँ और इस कुरीति को समाप्त करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने बाल विवाह रोकने का संकल्प लिया और इसे समाज से समाप्त करने के लिए सहयोग का आश्वासन दिया। वन स्टॉप सेंटर के प्रतिनिधियों ने बताया कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आगे भी लगातार आयोजित किए जाएंगे ताकि 'बाल विवाह मुक्त भारत' के लक्ष्य को जल्द हासिल किया जा सके कार्यक्रम में केंस वकरं अरुणिमा पाठक, पुष्पलता शर्मा, केयर टेकर इंदू तिवारी एवं अंजू पाण्डेय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मछुआ किसानों को सशक्त बनाने 'मछुआ किसान क्रेडिट कार्ड योजना' का शुभारंभ

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश शासन द्वारा घोषित कृषि कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत जिले में मछुआओं और मत्स्यपालकों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए मछुआ किसान क्रेडिट कार्ड योजना का शुभारंभ किया गया सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य मछुआओं, ग्रामीण तालाबों एवं जलाशयों के पट्टाधारक समितियों, समूहों और व्यक्तिगत हितग्राहियों को समय पर अल्पावधि ऋण उपलब्ध कराना है। इससे मत्स्यपालक मत्स्यबीज, मत्स्य आहार, नाव, जाल और अन्य आवश्यक सामग्री की खरीद कर अपनी आय बढ़ा सकेंगे। ऋण और व्याज अनुदान की सुविधा:

योजना के तहत ऋण सहाकारी बैंकों के माध्यम से प्रदान किया जाएगा जिस पर शासन द्वारा व्याज अनुदान भी दिया जाएगा इससे मछुआओं को आर्थिक सहायता समय पर मिल सकेगी और उनकी आजीविका मजबूत बनेगी। इच्छुक हितग्राही निर्धारित आवेदन पत्र के साथ आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक एवं पट्टा संबंधी दस्तावेज कार्यालय सहायक मत्स्योद्योग, वीथिका परिसर (कलेक्ट्रेट के सामने), में जमा कर सकते हैं मछुआ समुदाय के जीवन स्तर में सुधार: कृषि कल्याण वर्ष के इस प्रयास से जिले में मत्स्य क्षेत्र को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ मछुआ समुदाय के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद है।

जानलेवा पेयजल: मौतें सबसे स्वच्छ शहर पर कलंक

यह शर्मनाक है कि जिस शहर को पिछले सात सालों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा दिया जा रहा था, वहां पेयजल में सीवर का पानी मिल जाने से एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो जाए। बताया जाता है कि इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर के पानी के रिसाव से हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। घटनाक्रम के बाद सौ के करीब लोग अस्पताल में भर्ती हुए और सैकड़ों लोग दूषित पेयजल के उपयोग से

बीमार हैं। वैसे भी किसी सभ्य समाज में व्यक्ति आत्मग्लानि से यह सुनकर बीमार हो जाएगा कि जिस पानी को उसने उपयोग किया, उसमें सीवर का गंदा पानी मिला था। निस्संदेह, यह गंभीर प्रशासनिक लापरवाही ही है, जिसके चलते हजारों लोगों का जीवन संकट में पड़ गया। नगर निगम ही नहीं, इस महकमे से जुड़े सभी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दरअसल, इंदौर लगातार भारत के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा हासिल करता रहा है तो इस

दुर्घटना ने पूरे प्रकरण को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खी बना दिया। इस दुखद स्थिति के चलते मानवाधिकार आयोग और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करने के लिये बाध्य होना पड़ा। विडंबना यह है कि नागरिकों ने पहले ही दूषित पेयजल आपूर्ति की शिकायत की थी, लेकिन नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिये जवाबदेह अधिकारी

तब हरकत में आए, जब कई लोगों की जान जा चुकी थी। यहां तक कि इस निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का महकमा आता है, उनकी सवेदनहीन बयानबाजी ने लोगों का आक्रोश बढ़ाया है। हालांकि, तल्लू आलोचना के बाद मंत्री ने खेद जताया है। यहां तक कि इस घटना

के बाद मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी वरिष्ठ भाजपा नेत्री उमा भारती ने भी दोषियों से प्रायश्चित करने व दंड देने की मांग की है। लेकिन सवाल यह है कि क्या कुछ छोटे स्तर के अधिकारियों के निलंबन और स्थानांतरण से इन लोगों के लिये जिम्मेदार लोगों का प्रायश्चित हो पाएगा? लेकिन विडंबना है कि यह समस्या केवल इंदौर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश के छोटे-बड़े शहरों में गाढ़े-बगाढ़े दूषित जल आपूर्ति के

मामले प्रकाश में आते रहे हैं। दुर्घटना के बाद जांच समितियों का गठन, मुआवजे की घोषणा और कनिष्ठ अधिकारियों का निलंबन मामले में लीपापोती का उपक्रम बन चुका है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सुधार, क्रियान्वयन और रूपांतरण' के मंत्र पर जोर दिया था। तब उन्होंने प्रक्रियाओं को सरल बनाने और जीवनयापन को सुगम बनाने के लिये प्रणालियों को अधिक अनुकूल बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया था।

जल बचाने को लेकर एक वैज्ञानिक चर्चा!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

हाल ही में दुनिया भर में विश्व जल दिवस मनाया गया। ग्लोबल साइंस एकेडमी ने सार्वजनिक स्वास्थ्य, लैंगिक न्याय और सभ्यतागत मूल्यों को समुद्री कानून से जोड़कर जल बचाने की अंतरराष्ट्रीय कौशिल को हवा दी है। इस अवसर पर 5+5 ओशन डिकेड कॉन्फ्रेंस की डिजिटल प्रोसीडिंग्स भी लॉन्च की गईं। यह आयोजन भारत और दक्षिण एशिया की समुद्री रणनीति में एक बड़े परिवर्तनकारी बदलाव का संकेत कहा जा रहा है।

यह तकनीकी चर्चा ईद के बाद सांस्कृतिक चिंतन और नवरात्रि के पवित्र त्योहार के दौरान आयोजित की गई। इस कार्यक्रम ने पारंपरिक आर्थिक विमर्श से ऊपर उठकर समुद्री कानून 2026 सार्वजनिक स्वास्थ्य और मानवीय सुरक्षा के बीच के अंतर्संबंधों को रेखांकित किया है। चर्चा सत्र की अध्यक्षता करते हुए ग्लोबल साइंस एकेडमी के संस्थापक निदेशक और मुसिफ टीवी के ब्यूरो हेड डॉ. अनिल प्रताप सिंह ने जल को केवल एक संसाधन के रूप में नहीं, बल्कि एक मौलिक सभ्यतागत मूल्य के रूप में परिभाषित किया। ऋग्वेद के श्लोकों और महात्मा गांधी के विचारों का उल्लेख करते हुए डॉ. सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि बीबीएनजे समझौते का कार्यान्वयन समानता पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने कहा, सार्वजनिक स्वास्थ्य को समुद्री कानून के भीतर समाहित किया जाना चाहिए। तटीय शासन बीमारियों, विस्थापन और शोषण की जमीनी हकीकतों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। आज, हम सिद्धांतों से आगे बढ़कर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हाशिए पर रहने वाले लोगों-ओशन विडो से लेकर मछली पकड़ने वाले समुदायों-की आवाज वैश्विक रिकॉर्ड में दर्ज हो। कार्यक्रम में छह महत्वपूर्ण कार्यात्मक डॉकों पर प्रकाश डाला गया, जो भविष्य में एकेडमी की वकालत की दिशा तय करेगा।

डॉ. शिल्पा नंदी और डॉ. सतरूपा पाल ने समुद्री त्रासदियों के कानूनी अंतराल में खोई हुई महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक अदृश्यता और तस्करि के प्रति उनकी संवेदनशीलता को उजागर किया। डॉ. तुलिका चक्रवर्ती और डॉ. पत्राली सिन्हा ने हाशिए पर रहने वाले मछली पकड़ने वाले समुदायों में एचआईवी/एसटीआई सम्बन्धी देखभाल और प्रजनन स्वास्थ्य में मौजूद गंभीर कमियों पर विचार मंथन कर उन्हें दूर करने के उपाय सुझाए गए। डॉ. सोमीरन दास और डॉ. सोमनाथ भट्टाचार्य ने टिकाऊ शासन के लिए समुदाय-संचालित और सांस्कृतिक रूप से स्वीकार्य समाधानों पर जोर दिया।

जबकि डॉ. सतरूपा पाल और डॉ. शिल्पा नंदी के शोध ने अनियंत्रित तटीय पर्यटन में निहित स्वास्थ्य और सुरक्षा जोखिमों के प्रति आगाह किया।

डॉ. आलोक राय और डॉ. सोमीरन दास ने राष्ट्रीय सुरक्षा निगरानी को मानव तस्करि और अवैध मछली पकड़ने के नेटवर्क के खिलाफ सक्रिय लड़ाई से जोड़ा। सत्र में विन्निपेग, कनाडा से डॉ. अवनीश जॉली ने ग्लोबल नॉर्थ का दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे जल शासन में स्वदेशी ज्ञान और सार्वजनिक स्वास्थ्य को एकीकृत करने का मेनिटोबा मॉडल दक्षिण एशियाई प्रणालियों के लिए मार्गदर्शक हो सकता है। इन्वेंशन इंटेलेजेंस के पूर्व मुख्य संपादक डॉ. आर.के. अंथवाल का औपचारिक रूप से एकेडमी की आगामी डिजिटल पत्रिका जीएसए साइंस कम्युनिकेशन के प्रबंध संपादक के रूप में परिचय कराया गया। इस तकनीकी चर्चा के निष्कर्षों को अंतिम डिजिटल प्रोसीडिंग्स में एकीकृत किया गया जिसे त्रिभाषी श्रृंखला (हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू) में प्रदर्शित करने का निर्णय लिया गया। यह आयोजन विश्व पर्यावरण दिवस 2026 की थीम पर वैश्विक जर्नल के लॉन्च की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

(प्रसंग वश- 25 मार्च बलिदान दिवस गणेश शंकर विद्यार्थी पर विशेष आलेख) **हे नहीं शमशीर मेरे हाथ में तो क्या हुआ, मैं अपनी कलम से ही करूंगा, दुश्मनों के सर कलम। निःसंदेह हिंदी पत्रकारिता जगत के निर्भीक, क्रांतिकारी पत्रकार, स्वाधीनता सेनानी, समाजसेवी और कुशल राजनीतिज्ञ गणेश शंकर विद्यार्थी ने आजादी की लड़ाई में अपनी कलम को ही अपना अस्त्र बना लिया। उनके पास सत्ता की ताकत नहीं थी किंतु अपनी बेबाक धारदार कलम से अंग्रेज हुकूमत की दमनकारी नीतियों, सामाजिक अन्याय, शोषण और जमींदारों, सामंतों के अत्याचारों के विरुद्ध राष्ट्रहित जनहित में इंकलाब का उद्घोष किया।**

हिंदी पत्रकारिता के निर्भीक स्तंभ गणेश शंकर विद्यार्थी

डॉ. अशोक कुमार भार्गव

26 अक्टूबर 1890 को इलाहाबाद में जन्मे विद्यार्थी का बचपन मध्य प्रदेश के वर्तमान अशोकनगर जिले के मुगावली में बीता। प्रारंभिक शिक्षा प्रयागराज में हुई। पढ़ाई के दौरान ही उनका विवाह हो गया। कानपुर कर्म स्थली रही। कानपुर के सूती मिल के मजदूरों की दुर्दशा देख उनके हितों के संघर्ष हेतु उन्हें संगठित किया। 1908 में कानपुर करंसी में नौकरी की बाद में हाई स्कूल में शिक्षक बने किंतु दोनों ही स्थान पर देश प्रेम को समर्पित अशुभ्य पत्रिका पढ़ने से मना करने पर स्वाभिमानी विद्यार्थी ने नौकरी से त्यागपत्र दे दिया।

1913 में महाराणा प्रताप के पराक्रम से प्रेरित होकर प्रताप नामक साप्ताहिक पत्र प्रारंभ किया। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने आशीष स्वस्वर प्रताप के लिए यह पंक्तियां प्रेषित की जिसको न निज गौरव तथा निज देश का अभिमान है, वह नर नहीं नर पशु निरा है और मृतक समान है विद्यार्थी ने इसे आरंभ से अंत तक प्रताप का मूल मंत्र बना पत्रकारिता को सामाजिक कर्म का प्रतीक निरूपित किया। प्रताप का समग्र सृजन नैतिक मूल्यों, आदर्शों, जन आंदोलनों और आजादी की लड़ाई के प्रति प्रतिबद्ध था। स्वाधीनता संग्राम के उच्चतम प्रतिमानों से प्रेरित होकर विद्यार्थी ने प्रताप के पहले लेखों में प्रताप की नीति लेख लिखा जो आज भी पत्रकारिता के आदर्श घोषणा पत्र के रूप में प्रतिष्ठित है। वे लिखते हैं आज अपने हृदय में नई-नई आशाओं को धारण करके और अपनी उद्देश्यों पर पूर्ण विश्वास रखकर प्रताप कर्म क्षेत्र में आता है। समस्त मानव जाति का कल्याण हमारा

परमोद्देश्य है और इसकी प्राप्ति का एक बहुत बड़ा जरूरी साधन हम भारतवर्ष की उन्नति को समझते हैं। वे प्रताप के माध्यम से अपनी जिम्मेदारियों को रेखांकित करते हुए लिखते हैं हम अपने देश और समाज की सेवा के पवित्र काम का भार अपने ऊपर लेते हैं। हम अपने भाइयों और बहनों को उनके कर्तव्य और अधिकार समझाने का यथाशक्ति प्रयत्न करेंगे। राजा और प्रजा में, एक जाति और दूसरी जाति में, एक संस्था और दूसरे संस्था में बैर और विरोध, अशांति और असंतोष ना होने देना हम अपना परम कर्तव्य समझेंगे। इसी लेख में वे पत्रकारिता के उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए लिखते हैं किसी की प्रशंसा या अप्रशंसा, किसी की प्रसन्नता या अप्रसन्नता, किसी की

सुख की या धमकी हमें अपने सुमार्ग से विचलित न कर सकेगी। सत्य और न्याय



हमारे भीतरी पथ प्रदर्शक होंगे। सांप्रदायिक और व्यक्तिगत झगड़ों से प्रताप सदा अलग रहने की कोशिश करेंगे। उसका जन्म किसी विशेष सभा, संस्था, व्यक्ति या मत के पालन पोषण, रक्षण या विरोध के लिए नहीं हुआ है किंतु उसका मत स्वातंत्र्य विचार और उसका धर्म सत्य होगा। हम जानते हैं कि हमें इस काम में बड़ी-बड़ी कठिनाइयों को सामना करना पड़ेगा और इसके लिए बड़े भारी साहस और आत्म बल की आवश्यकता है। हमें यह भी अच्छी तरह मालूम है कि हमारा जन्म निर्बलता, पराधीनता और अल्प सत्ता के वायुमंडल में हुआ है तो भी हमारे हृदय में सत्य की सेवा करने के लिए आगे बढ़ने की इच्छा है। हम न्याय में राजा और प्रजा दोनों का साथ देंगे परंतु अन्याय में दोनों से किसी का भी नहीं। हमारी यह हादिक अभिलाषा है कि देश की विविध जातियों, संप्रदायों और वर्णों में परस्पर मेल मिलाप बढ़े।

विद्यार्थी का अपने सिद्धांतों और मूल्यों के प्रति समर्पण अद्भुत था। अपने उद्देश्यों से भटकना वे मृत्यु के समान मानते थे। इसीलिए वह स्पष्ट करते हैं कि जिस दिन हमारी आत्मा ऐसी हो जाए कि हम अपने प्यारे आदर्शों से डिरा जावें,

जानबूझकर असत्य के पक्षपाती बनने की बेशर्मा करे और उदारता, स्वतंत्रता तथा निष्पक्षता को छोड़ देने की भीरुता दिखाए, वह दिन हमारे जीवन का सबसे अभिमान दहन होगा और हम चाहते हैं कि हमारी उस

नैतिक मृत्यु के साथ ही हमारे जीवन का भी अंत हो जाए।

विद्यार्थी की पत्रकारिता का यह कालजयी दर्शन आधुनिक भारतीय पत्रकारिता का प्रकाश स्तंभ है।

अपने क्रांतिकारी लेखों और भाषणों के कारण कई बार प्रताप पर उन्हें जर्मना, सजा, दंड, कुर्की और पांच बार जेल यात्रा की सीमांतें प्राप्त हुईं। उन्होंने महात्मा गांधी के अहिंसक आंदोलन के समर्थन के साथ ही भाग

विह जैसे क्रांतिकारियों को हर प्रकार की सहायता उपलब्ध कराई। यद्यपि विद्यार्थी ने स्वराज अखबार से उर्दू में लिखना प्रारंभ किया था किंतु हिंदी के प्रति उनके ममत्व ने उन्हें हिंदी में लिखने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के हर संभव प्रयासों में अग्रिम योगदान दिया। वह भाषा की महत्ता को गंभीरता से समझते थे इसीलिए एक बार बड़ी गहराई में उतर कर उन्होंने लिखा था मुझे देश की आजादी और भाषा की आजादी में से किसी एक को चुनना पड़े तो मैं निःसंकोच भाषा की आजादी चुनूंगा। देश की आजादी के बावजूद भाषा की गुलामी रह सकती है लेकिन अगर भाषा आजाद हुई तो देश गुलाम नहीं रह सकता। क्योंकि भाषा हमारे जातीय जीवन और संस्कृति की रक्षिका, शील का दर्पण और विकास का वैभव है। अंधलाषा है कि देश की विविध जातियों, संप्रदायों और वर्णों में परस्पर मेल मिलाप बढ़े।

उन्होंने हिंदी को साहित्यिक जटिलता से मुक्त कर भारत के स्वाधीनता संग्राम, जन जागरण, सांप्रदायिक सद्भाव, मजदूरों, किसानों और आम आदमी की भाषा बनाया। उनके लेखों में हिंदी सरल बोधगम्य और शक्तिशाली भाषा के रूप में विकसित हुई। उन्होंने विक्टर ह्यूगो के प्रसिद्ध उपन्यास 'नोबर्टी थी का हिंदी में बलिदान नाम से अनुवाद किया। हिंदी में शेखरचल्लो की कहानियां लिखीं। हिंदी साहित्य सम्मेलनों में सक्रिय भागीदारी की और सरस्वती, कर्मयोगी, स्वराज्य, हित वार्ता में उनके क्रांतिकारी लेख प्रकाशित होते रहे।

विद्यार्थी की प्रेरणा से 1924 में कानपुर काँग्रेस अधिवेशन में श्यामलाल गुप्त पार्षद द्वारा रचित झंडा गीत विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा का स्वागत गीत के रूप में सामूहिक गायन प्रस्तुत किया गया। यह गीत आज भी देशवासियों के मन में ऊर्जा का संचार करता है।

अंग्रेज हुकूमत ने 23 मार्च 1925 को

शहीद ए आज़म भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी की सजा सुना दी। समग्र राष्ट्र शोक संतप्त हुआ। कानपुर में सांप्रदायिक द्रो भड़क गए। सर्व धर्म समभाव को भारत को आत्मा मानने वाले विद्यार्थी स्वयं सेवकों के साथ हिंदू मुरिलम दंगों की घघकती ज्वाला को शांत करने, पीड़ित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए उनके बीच चले गए। इसी दौरान दंगाइयों ने उनकी नृशंस हत्या कर दी। दो दिन बाद लाशों के ढेर में उनके शव को पहचाना की गई। हैवानियत के उस नरक में आजादी का स्वप्न देखने वाली आंखें सदा के लिए बंद हो गईं। जिस धार्मिक कट्टरता और उन्माद को शांत करने के लिए वे जीवन भर संघर्ष करते रहे उसी ने साहसी को जीवन देने वाली लेखनी के प्रहारी योद्धा की जीवन यात्रा का ही जघन्य अवसान कर दिया। आजादी के लिए बलिदानों के महाकाव्य लिखने वाले असंख्य हुतात्माओं में गणेश शंकर विद्यार्थी का नाम सांप्रदायिक सद्भाव, मानवीय कल्याण, देश प्रेम देशभक्ति के निर्भीक इतिहास की वंदनीय शहादत बन गई।

उनका विश्वास था कि धर्म ने ज्ञान प्रचार का आदेश दिया, धार्मिक आडंबर ने घोर अज्ञान फैलाया। धर्म ने मृत्यु के समाने धर्म का सर्वश्रेष्ठ आदर्श रखा किंतु धार्मिक आडंबरों ने उसे पग पग पर पीछे धकेला है। मजहबी कर्मकांड और रस्मांवाज की रक्षा करने के स्थान पर देश तथा राष्ट्र की रक्षा करना मनुष्य जाति की उन्नति के लिए कहीं अधिक आवश्यक है। स्वतंत्रता का पवित्र आदेश है कि किसी को किसी के ऊपर स्वेच्छकार करने का किसी को किसी का अधिकार छीनने हक नहीं होना चाहिए।

भूमंडलीकरण के इस दौर में मीडिया बाजार वाद के दबाव में है। पत्रकारिता को बिकाऊ बनाने के प्रयास तेजी से हो रहे हैं और व्यावसायिकता की गला काट प्रतिस्पर्धा ने अखबारों को उत्पाद के रूप में प्रस्तुत करना शुरू किया है। अतः भूमंडलीकरण के दुष्प्रभावों से पत्रकारिता को बचाना इस दौर की सबसे बड़ी चुनौती है। आवश्यकता इस बात की है कि गणेश शंकर विद्यार्थी की निर्भीक, निष्पक्ष, निडर, देशभक्ति और देश प्रेम की उलकत भावनाओं से ओत प्रोत पत्रकारिता के उच्चतम प्रतिमानों को आश्वस्तीदायक बनाया जाए ताकि भारतीय ज्ञान परंपरा, हमारी विपुल सांस्कृतिक धरोहरे और भारतीय जीवन दृष्टि अपने निर्मल स्वरूप में विश्वसनीयता के साथ राष्ट्रहित में विमर्श खड़ा करने के सामाजिक सरोकारों का दर्पण बन सकें।

(पूर्व आईएसएस, मोटिवेशनल स्पीकर, इंदौर, म.प्र.)

तकनीक का लोकतंत्रीकरण और सृजन का नया युग

एआई कौशल, नागरिक भागीदारी और सुलभ प्रसारण से बदलता भारत का डिजिटल भविष्य वैश्विक क्षितिज पर भारत का डिजिटल परिदृश्य आज जिस तीव्र गति से बदल रहा है, वह केवल तकनीकी प्रगति का शुभ संकेत दी नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का परिचायक भी है। इस क्रान्तिकारी परिवर्तन के केंद्र में वह सोच है, जो तकनीक को कुछ विशेष वर्गों तक सीमित न रखकर उसे आम जन तक पहुंचाने की वकालत करती है।

विनोद कुमार सिंह

इसी दृष्टि को साकार करते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा आरंभ की गई तीन नई पहलें एक नए भारत की डिजिटल आकांक्षाओं को आकार देती दिखाई देती हैं। आज के कार्यक्रम में उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार का उद्देश्य तकनीक को सुलभ, सस्ता और सर्वसुलभ बनाना है, ताकि देश का हर नागरिक डिजिटल क्रांति का भागीदार बन सके। उन्होंने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की उस सोच को दोहराया, जिसमें तकनीक को लोकतांत्रिक बनाने पर विशेष बल दिया गया है। उनके अनुसार, इन पहलों के माध्यम से न केवल तकनीक की पहुँच बढ़ेगी, बल्कि यह आम लोगों के जीवन को सरल और सशक्त भी बनाएगी। मंत्री ने एमवाईडब्ल्यूएवीईएस प्लेटफॉर्म को एक ऐसे सशक्त मंच के रूप में रेखांकित किया, जहाँ देश का हर नागरिक अपनी रचनात्मकता को अभिव्यक्त कर सकता है। उन्होंने अपने उद्गार में उल्लेख किया कि आज का भारत केवल कटेट का उपभोक्ता नहीं रहना चाहता, बल्कि



वह कटेट निर्माण में भी वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने रचनाकारों से आह्वान किया कि वे अपने क्षेत्र, संस्कृति और परंपराओं की कहानियों को इन मंचों के माध्यम से दुनिया तक पहुंचाएँ, जिससे भारत की विविधता और समृद्धि को एक नई पहचान मिल सके। राष्ट्रीय ए आई स्किलिंग पहल पर बोलते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह कार्यक्रम आनेवाले समय की जरूरतों

को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। आज लगभग 15 हजार युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें भविष्य की तकनीकों के लिए तैयार किया जाएगा। उनके शब्दों में, 'यह पहल युवाओं को केवल कौशल ही नहीं देगी, बल्कि उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के योग्य बनाएगी।' यह कथन इस बात का संकेत है कि सरकार एआई को केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि एक अवसर के

रूप में देख रही है। आज के इस कार्यक्रम में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू ने भी इन पहलों की व्यापकता और प्रभाव को रेखांकित करते हुए कहा कि यह तीनों पहलें एक साझा नीति दिशा को प्रतिबिंबित करती हैं। उन्होंने अपने उद्गार में स्पष्ट किया कि पहली पहल लोगों को सक्षम बनाएगी, दूसरी उन्हें नए अवसर प्रदान करेगी और तीसरी यह सुनिश्चित करेगी कि कटेट की पहुँच समाज के अंतिम व्यक्ति तक हो। उनके अनुसार, यह केवल योजनाएँ नहीं हैं, बल्कि एक मजबूत और समावेशी डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में ठोस कदम हैं। यदि इन उद्गारों को व्यापक संदर्भ में देखा जाए, तो यह स्पष्ट होता है कि सरकार की सोच बहुस्तरीय है। एक ओर जहाँ कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को तैयार किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर उन्हें अभिव्यक्ति और अवसर के मंच भी प्रदान किए जा रहे हैं। साथ ही, तकनीकी अग्रगण्य को कम करके यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि इन अवसरों का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुँचे। इंटरनेट इन्फ्यूज्ड क्रियेटेवी टेकनालॉजी के

माध्यम से संचालित राष्ट्रीय एआई स्किलिंग पहल इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। गूगल और यूट्यूब के सहयोग से तैयार यह कार्यक्रम न केवल तकनीकी ज्ञान प्रदान करेगा, बल्कि रचनात्मक उद्योगों के लिए आवश्यक व्यावहारिक कौशल भी विकसित करेगा। इससे भारत के युवा वैश्विक डिजिटल कटेट बाजार में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा सकेंगे। दूसरी ओर, एमवाईडब्ल्यूएवीईएस प्लेटफॉर्म उस बदलते भारत का प्रतीक है, जहाँ हर व्यक्ति अपनी आवाज को पहचान दिलाता चाहता है। यह मंच केवल कटेट निर्माण का माध्यम नहीं, बल्कि एक सामाजिक-सांस्कृतिक संवाद का सेतु भी है। इसके माध्यम से देश के कोने-कोने से उभरती कहानियाँ, विचार और रचनात्मक अभिव्यक्तियाँ एक साझा मंच पर आ सकेंगी। तीसरी पहल, डीडी फ्री डिश के लिए इन-बिल्ट सैटेलाइट टयूनर और उन्नत प्रोग्राम गाइड की सुविधा, सीधे तौर पर आम नागरिक के जीवन को सरल बनाने का प्रयास है। अब बिना सेट-टॉप बॉक्स के टेलीविजन देख पाना न केवल लागत को कम

करेगा, बल्कि तकनीक के उपयोग को भी सहज बनाएगा। यह पहल विशेष रूप से उन क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है, जहाँ संसाधनों की कमी के कारण लोग अब तक बेहतर प्रसारण सुविधाओं से वंचित थे। इन सभी प्रयासों के केंद्र में प्रसारण की भूमिका भी उल्लेखनीय है, जो सार्वजनिक प्रसारण को आधुनिक और सुलभ बनाने में निरंतर प्रयासरत है। यह स्पष्ट है कि सरकार केवल नई योजनाएँ लागू करने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह एक ऐसे डिजिटल भविष्य का निर्माण कर रही है, जहाँ अवसर, अभिव्यक्ति और सूचना - तीनों का संतुलित विकास संभव हो। अंततः यह कहा जा सकता है कि आत्मतकनीक के माध्यम से न केवल तकनीक का उपयोग को सरल बनाया जा रहा है, बल्कि यह देश को एक सशक्त नागरिक, सुलभ तकनीक और समावेशी विकास की दिशा में प्रेरित कर रहा है। यह पहल न केवल डिजिटल दुनिया का उपभोक्ता होगा, बल्कि उसका नेतृत्व भी करेगा।

काबिंग गस्त में पकड़े गए 3 आरोपी कई महीने से फरार थे; न्यायालय में पेश किया गया



मीडिया ऑडिटर, बैतूल (निप्र)। बैतूल कोतवाली पुलिस ने स्थायी और गिरफ्तारी वारंटियों के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने तीन स्थायी और तीन गिरफ्तारी वारंट तामील कर छह आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिन्हें बाद में न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों में गणेश पांसे (38) निवासी देशबंधु वार्ड टिकारी, संजू उर्दके (22) निवासी प्रताप वार्ड टिकारी और विशाल उर्दके (27) निवासी भयावाड़ी शामिल हैं। संजू उर्दके पर स्थायी और गिरफ्तारी दोनों तरह के वारंट लंबित थे। इसी अभियान के तहत, न्यायालय से जारी कैसिल आदेश के आधार पर इंदिरा उर्फ ईंदु बारसे (40) निवासी छुरी पाडर और नितिन हजारे (35) निवासी विकास नगर गंज बैतूल के वारंट निरस्त किए गए। इस कार्रवाई में निरीक्षक देवकरण डेहरिया, उप निरीक्षक बसंत अहके, छत्रपाल धुर्वे, उत्तम मस्तकार, सहायक उप निरीक्षक राजेश मालवीय और अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने और अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण रखने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

छतरपुर फोरलेन हादसे में पन्ना के युवक की मौत इलाज करवाकर लौटते समय कार पलटी



मीडिया ऑडिटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में झांसी-खजुराहो फोरलेन पर बागेश्वर धाम तिराहे के पास सोमवार शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से एक ऑल्टो कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में पन्ना जिले के अमानगंज निवासी 30 वर्षीय शिवम विश्वकर्मा की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी मनीषा और साला शुभम घायल हो गए। डेढ़ साल का बेटा मोक्ष सुरक्षित है। जानकारी के अनुसार, शिवम विश्वकर्मा (30) अपनी पत्नी मनीषा (25) और डेढ़ साल के बेटे मोक्ष के साथ नौगांव से इलाज करवाकर अपने घर अमानगंज लौट रहे थे। उनके साथ मनीषा का भाई शुभम (19) भी कार में सवार था। इसी दौरान सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से कार सड़क किनारे जाकर पलट गई। मौके पर मौजूद राहगीरों ने तुरंत घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल की इमरजेंसी में डॉक्टर जयदीप रैकवार ने शिवम विश्वकर्मा को मृत घोषित कर दिया। नौगांव में इलाज के लिए आया था परिवार हादसे में डेढ़ साल के बच्चे मोक्ष को गंभीर चोटें नहीं आईं, हालांकि एहतियात के तौर पर उसे अस्पताल में भर्ती किया गया है। मनीषा को भी चोटें आई हैं, लेकिन सदमे के कारण उन्हें हादसे की ज्यादा जानकारी नहीं है। शुभम के हाथ-पैर में चोटें आई हैं। बताया गया है कि मनीषा पिछले तीन दिनों से खांसी और बुखार से पीड़ित थीं, जिसके इलाज के लिए परिवार नौगांव गया था। वापस लौटते समय यह हादसा हो गया। डॉक्टरों ने परिजनों के आने तक मनीषा को पति की मौत की जानकारी नहीं दी। फिलहाल, पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है।

मंदसौर में पति को रोकने महिला ने जहर खाया:मजदूरी के लिए गुजरात जाने को लेकर विवाद हुआ था



मीडिया ऑडिटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के रेवास देवड़ा गांव की एक महिला ने अपने पति को गुजरात काम पर जाने से रोकने के लिए जहरीले पदार्थ का खा लिया। महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसे मंदसौर जिला चिकित्सालय के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार, धांपू बाई (40) पति नन्दलाल भील निवासी रेवास देवड़ा ने यह कदम उस समय उठाया जब उनके पति नन्दलाल मजदूरी के लिए गुजरात वापस जाने की तैयारी कर रहे थे। बताया जा रहा है कि नन्दलाल पिछले करीब 3 वर्षों से गुजरात में मजदूरी का काम कर रहे हैं। करीब एक माह पहले वह अपने छोटे भाई राकेश के यहां आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए झांझा जिले के पास स्थित ग्राम थांदला आए थे। इसके बाद से वह कभी मंदसौर तो कभी थांदला में रह रहे थे। बताया जा रहा है कि सोमवार को नन्दलाल अपने घर रेवास देवड़ा पहुंचे थे और यहां से उन्हें वापस गुजरात काम पर जाना था। लेकिन उनकी पत्नी धांपू बाई नहीं चाहती थी कि वह दोबारा गुजरात जाए। इसी बात को लेकर दोनों के बीच बातचीत हुई, जिसमें नन्दलाल ने जल्द ही काम पर लौटने की बात कही। इसी का सेवन कर लिया।

NDPS मामले में मेहमान बने आरोपी! 6 घंटे मेहमाननवाजी, फोन के बाद रिहाई कॉल डिटेल से खुल सकती है पूरी गुत्थी



मीडिया ऑडिटर, रीवा। नशे के खिलाफ सख्त माने जाने वाले NDPS Act के तहत एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने पुलिस व्यवस्था की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि जिन युवकों को NDPS जैसे कड़े कानून में पकड़ा गया उन्हें थाने में आरोपी नहीं बल्कि मेहमान की तरह रखा गया और फिर रहस्यमयी परिस्थितियों में छोड़ दिया गया।

अचानक बढ़ी गर्मी, 24 घंटे में 4 डिग्री बढ़ा तापमान खंडवा में गणगौर पर्व समापन के साथ धूप का असर

मीडिया ऑडिटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में सोमवार को गर्मी में आमूलचूल परिवर्तन देखने को मिला है। महज एक दिन के भीतर दिन का तापमान 4 डिग्री बढ़ गया है। एक दिन पहले रविवार को दिन का तापमान 31.1 डिग्री सेल्सियस रहा, वहीं सोमवार को यही तापमान 35.1 डिग्री पर पहुंच गया। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, अब तापमान में लगातार बढ़ोत्तरी होती रहेगी। बता दें कि, खंडवा में गणगौर पर्व के समापन के बाद यह हालात मौसम में अचानक परिवर्तन को लेकर बने हैं। पिछले तीन दिनों से हल्के बादल छाए रहे तो वहीं ग्रामीण अंचल के कई इलाकों में बारिश का असर तक रहा। ऐसे में तापमान में गिरावट हुई है। 21 मार्च की बात करें तो



दिन का तापमान 35.1 डिग्री था और 22 मार्च को यही तापमान 31.1 डिग्री पर आ गया। अब एक दिन बाद ही फिर से वैसे हालात बने और बादलों के छटते ही तापमान बढ़ गया।

रात का तापमान भी एक

डिग्री बढ़ा : एक तरफ जहां दिन के तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस का इजाफा हुआ है। वहीं रात का तापमान भी बढ़ा है। रात के तापमान में एक डिग्री सेल्सियस का इजाफा हुआ है। अब तापमान 18 डिग्री पर हो गया है। यही दो

दिन पहले तक 17 डिग्री सेल्सियस तक रहा है। हालांकि, ठंडी हवाएं चलने से तापमान में बढ़ोत्तरी का असर सामान्य रहा है।

वैश्विक बदलाव से बारिश तो कभी तेज धूप : जला कृषि मौसम इकाई के मौसम एवं कृषि विशेषज्ञ डॉ. सौरव गुप्ता के अनुसार वैश्विक गर्माहट के कारण हर माह बारिश हो रही है। इसका मुख्य कारण कार्बन डाई ऑक्साइड का स्तर लगातार बढ़ना है। खाड़ी क्षेत्रों में युद्ध की स्थिति भी बनी है। इससे पश्चिम विश्वोष्णों की स्थिति साल दर साल बढ़ती जा रही है।

इससे कहीं बारिश तो कहीं एकदम से धूप तेज निकलती है तो कहीं बारिश होने के बाद ठंडक बढ़ जाती है। यह स्थिति मौसम को परिवर्तित कर रही है।

ऑटो चालक बिजली विभाग की सीढ़ी से टकराया, गंभीर हालत में एडमिट



मीडिया ऑडिटर, दमोह (निप्र)। दमोह के जबलपुर नाका क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक ऑटो चालक बिजली विभाग की गाड़ी में रखी सीढ़ी से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे गंभीर हालत में इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना जबलपुर नाका चौकी के

समीप हुई। मारुताल गांव निवासी 40 वर्षीय तान सिंह लोधी अपना ई-रिक्शा लेकर मारुताल से जबलपुर नाका की ओर आ रहे थे। इसी दौरान, जबलपुर नाका के पास बिजली विभाग की एक गाड़ी खड़ी थी, जिसकी सीढ़ी गाड़ी की बाँड़ी से बाहर निकली हुई थी। तान सिंह का ऑटो रिक्शा उसी

निकली हुई सीढ़ी से टकरा गया और सड़क पर पलट गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिन्होंने ऑटो को सड़क से हटाया और घायल तान सिंह को उखाया। बिजली विभाग के कर्मचारी अपने वाहन से ही उसे जिला अस्पताल ले गए। डॉक्टरों के अनुसार, घायल तान सिंह के सिर में गंभीर चोट आई है और उनका इलाज जारी है।

तान सिंह ने बताया कि बिजली विभाग की सीढ़ी गाड़ी से बाहर निकली होने के कारण उनका ऑटो उससे टकरा गया और वे घायल हो गए। बिजली विभाग के सहायक अभियंता (एई) सीपी चोपड़ा ने घटना की जानकारी मिलने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि घायल का उचित इलाज कराया जाएगा और इस मामले में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मीडिया ऑडिटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में 'ऑपरेशन फेस' के तहत आधार कार्ड का दुरुपयोग कर फर्जी सिम कार्ड जारी करने वाले गिरोह का खुलासा हुआ है। बुदनी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के निर्देशन में राज्य सायबर पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चिन्हित प्रकरण के आधार पर की गई। जांच के दौरान पुलिस को फर्जी सिम जारी करने का मामला सामने आया।

आधार कार्ड से जारी किए 32 सिम : जांच में पाया गया कि शेरसिंह मीना और शिवम मीना (निवासी महाकुला, थाना बुदनी) के आधार कार्ड का दुरुपयोग कर फर्जी कस्टमर एप्लीकेशन फॉर्म (एचए) बनाए गए और कुल 32 सिम कार्ड जारी किए गए।

15 सिम की पुष्टि, बाकी की जांच जारी : अब तक 15

खरगोन में चलती कार में लगी आग, ड्राइवर को बचाया



मीडिया ऑडिटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले के भगवानपुरा क्षेत्र में सोमवार सुबह एक चलती स्कोर्पियो कार में अचानक आग लग गई। ग्रामीणों ने कार का कांच तोड़कर ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाला, जिससे उसकी जान बच गई। आग से कार का अगला हिस्सा बुरी तरह जल गया। यह घटना देवनालिया

पंचायत क्षेत्र में हुई। कार में सवार आदिवासी ग्रामीण सेमलिया से ओंकारेश्वर अस्थि विसर्जन के लिए जा रहे थे। सेमलिया निवासी हमा पटेल अपनी पत्नी की अस्थियां विसर्जित करने के लिए परिवार के साथ जा रहे थे। गांव से करीब एक किलोमीटर दूर पहुंचने पर वाहन में अचानक आग लग गई।

1 आधार से जारी किए 32 सिम, सीहोर में सायबर ठगी का नेटवर्क उजागर



फर्जी सिम कार्डों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि बाकी सिम कार्डों की जांच जारी है। पुलिस को आशंका है कि इन सिम का इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों में किया गया होगा। जांच में पीओएस धाक जय भाटिया और उसके साथी मनोज कुशवाह की संलिप्तता सामने आई। पुलिस

ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

इन धाराओं में मामला दर्ज : आरोपियों के खिलाफ थाना बुदनी में धारा 468, 471, 120(बी) और आईटी एक्ट की धारा 66(सी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है।

देवास में विवाद के बाद किसान की संदिग्ध मौत शादी समारोह से लौटते वक्त बाइक सवार युवकों से हुई थी कहासुनी

मीडिया ऑडिटर, देवास (निप्र)। देवास जिले के बांगरदा गांव में सोमवार रात एक मामूली विवाद के बाद 56 वर्षीय किसान बाबूलाल हट्टेसिंह चौहान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में तनाव और चर्चा का माहौल बना हुआ है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

शादी समारोह से लौट रहे थे किसान : मृतक के छोटे भाई गजराज सिंह ने बताया कि बाबूलाल केलाद गांव से एक शादी समारोह में शामिल होकर अपने घर लौट रहे थे। उनके साथ कार में भतीजा शुभम और परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। बताया गया कि केलाद रोड स्थित बांगरदा चौराहे पर उनकी कार को धीरे चलाने की बात को लेकर बाइक सवार कुछ युवकों से कहासुनी हो गई थी। यह विवाद उस समय तो शांत हो



गया, लेकिन बाद में मामला फिर से बढ़ गया।

घर पहुंचने के बाद बढ़ा विवाद : परिजनों का आरोप है कि बाबूलाल के घर पहुंचने के कुछ समय बाद वही युवक वहां आ पहुंचे। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच सदस्य भी मौजूद थे। बताया गया कि केलाद रोड स्थित बांगरदा चौराहे पर उनकी कार को धीरे चलाने की बात को लेकर बाइक सवार कुछ युवकों से कहासुनी हो गई थी। यह विवाद उस समय तो शांत हो

अस्पताल में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित : अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने बाबूलाल को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पूरे गांव में तनाव और चर्चा का माहौल बना हुआ है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। इस घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है और परिजनों में आक्रोश भी देखा जा रहा है। परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। बताया गया कि केलाद रोड स्थित बांगरदा चौराहे पर उनकी कार को धीरे चलाने की बात को लेकर बाइक सवार कुछ युवकों से कहासुनी हो गई थी। यह विवाद उस समय तो शांत हो गया, लेकिन बाद में मामला फिर से बढ़ गया। हालांकि पुलिस ने अभी तक पथरबाजी और हॉमले की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही

है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार : बरोडा थाना प्रभारी सविता जाटव के अनुसार, फिलहाल इस मामले में कोई प्रकरण दर्ज नहीं किया गया है। मौत के सही कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट

आने के बाद ही चल पाएगा। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि घटना में क्या हुआ और मौत का वास्तविक कारण क्या है। फिलहाल पूरे मामले की गंभीरता से जांच जारी है।

रायसेन में चलती ट्रेन से गिरा युवक, मौत

मीडिया ऑडिटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन के दीवानगंज पुलिस चौकी क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक युवक की चलती ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। पुलिस को सुबह करीब 9 बजे घटना की सूचना मिली, जिसके बाद दीवानगंज पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। मृतक की पहचान इटावा (उत्तर प्रदेश) निवासी रवि पिता वासुदेव सिंह के रूप में हुई है। युवक के पास से मिले बैग में रखे दस्तावेजों और मोबाइल फोन के जरिए उसकी शिनाख्त की गई। पुलिस के अनुसार, युवक ग्वालियर से वायांगल की यात्रा कर रहा था। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि वह चलती ट्रेन से गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर दीवानगंज अस्पताल के मोर्चरी रूम में रखवा दिया है। पुलिस मृतक के परिजनों से संपर्क करने का प्रयास कर रही है। परिजनों के आने के बाद ही शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। दीवानगंज पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।



यशस्वी-वैभव ओपनर, रियान नंबर 4

6.50 करोड़ी खिलाड़ी बाहर

पूर्व भारतीय ओपनर ने चुनी राजस्थान की प्लेइंग 11

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व धाकड़ ओपनर बल्लेबाज श्रीकांत ने आईपीएल 2026 के लिए राजस्थान रॉयल्स की प्लेइंग इलेवन का चयन किया। श्रीकांत ने इस टीम में भारतीय पेसर तुषार देशपांडे को जगह नहीं दी जिसे राजस्थान ने इस सीजन के लिए 6.50 करोड़ में रिटैन किया था। तुषार ने पिछले सीजन में संघर्ष किया था और 10 मैचों में 9 विकेट ही ले पाए थे, लेकिन वो एक उपयोगी बॉलर हैं इसमें कोई शक भी नहीं है।

रियान पराग को चौथे नंबर पर रखा

श्रीकांत ने ओपनर के रूप में बाएं हाथ के तूफानी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल का चयन किया जबकि तीसरे नंबर पर भी उन्होंने बाएं हाथ के कैरेबियाई बैटर शिमरोन हेटमायर रखा जिन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में वेस्टइंडीज के लिए खूब रन बनाए थे और अच्छी लय में भी हैं। श्रीकांत ने इस टीम में चौथे नंबर पर कप्तान रियान पराग को रखा जो बल्लेबाजी के साथ-साथ स्पिन गेंदबाजी भी कर लेते हैं।

- टीम में दो ऑलराउंडर को दी जगह- श्रीकांत ने अपनी प्लेइंग इलेवन में 5वें स्थान पर विकेटकीपर ध्रुव जुरेल को रखा जबकि उन्होंने टीम में दो ऑलराउंडर को जगह दी। रविंद्र जडेजा को उन्होंने छठे स्थान पर जबकि डेनोवान फेरीरा को उन्होंने 7वें नंबर पर जगह दी। उन्होंने इस टीम में तीन तेज गेंदबाजों को जगह दी जिसमें जोफ्रा आर्चर, नादे बर्गर और संदीप शर्मा शामिल हैं। वहीं इस टीम में रवि बिस्नोई के रूप में उन्होंने एक स्पिनर को जगह दी।
- 3 तेज गेंदबाजों को किया शामिल- श्रीकांत ने प्लेइंग इलेवन का चयन करते हुए कहा कि ये टीम अच्छी दिख रही है, लेकिन चैंपियन बनने के लयक नहीं है। इस टीम के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस टीम के टॉप 4 में पहुंचने की संभावना 50-50 है। आपको बता दें कि राजस्थान ने आईपीएल खिताब साल 2008 में जीता था और उसके बाद से ये टीम कभी चैंपियन नहीं बना पाई।

‘यशस्वी सिर्फ मंत्री बनने लायक’

रियान कैसे कप्तान बना यह सबको पता है’, पूर्व भारतीय ओपनर की खरी-खरी

नई दिल्ली, एजेंसी। संजु सैमसन के जाने के बाद राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2026 के लिए रियान पराग को टीम का कप्तान बनाया जबकि इस टीम में यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा जैसे खिलाड़ी मौजूद थे। माना जा रहा था कि इनमें से किसी एक को कप्तानी दी जा सकती है, लेकिन आईपीएल 2025 में रियान के कप्तान के तौर पर खराब प्रदर्शन के बाद भी राजस्थान ने उन्हें ही कप्तान बनाया।

बस मंत्री बन सकते हैं यशस्वी जायसवाल- रियान पराग को कप्तान बनाए जाने



के बारे में बात करते हुए टीम इंडिया के पूर्व ओपनर बल्लेबाज श्रीकांत ने राजस्थान को आड़े हाथों लिया और इसे एक गलत फैसला बताया। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए श्रीकांत ने कहा कि सबको पता है कि रियान पराग राजस्थान का कप्तान कैसे बना। वहां उसके साथ राजा जैसा बर्ताव किया जाता है। इसलिए यशस्वी जायसवाल तो बस मंत्री ही बन सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि पिछले साल पराग का सीजन अच्छा नहीं रहा था, लेकिन उससे पिछले साल उसने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। पिछले साल यानी आईपीएल 2025 में उसने कुछ भी ऐसा कमाल (कप्तान के तौर पर) नहीं किया। आपको बता दें कि रियान पराग ने पिछले सीजन में राजस्थान की कप्तानी कई मैचों में की थी, लेकिन उसे ज्यादातर मैचों में हार ही मिली थी। वहीं पराग ने आईपीएल 2025 में लगभग 33 की औसत और 166 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 393 रन बनाए थे। पिछले सीजन में वो राजस्थान के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर थे।

खतरनाक नहीं है राजस्थान की टीम

श्रीकांत ने आगे कहा कि राजस्थान की टीम अच्छी दिख रही है और वो किसी भी टीम को अपडेट कर सकती है, लेकिन ये एक ऐसी साइड भी है जो खुद को तबाह भी कर सकती है। अगर टीम के टॉप 5 में से अगर 2 बल्लेबाज चल गए तो वो आईपीएल में किसी भी विरोधी टीम को स्मेश कर देंगे। यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी का टीम में होना टीम का बिग्रेस्ट प्लस प्वाइंट है। ये अपने दम पर मैच को जीतने की ताकत रखते हैं, लेकिन ये अच्छी टीम है पर खतरनाक नहीं। ये चैंपियनशिप विनिंग साइड नहीं है और प्लेऑफ में पहुंचने का इस टीम के पास 50-50 का मौका है।

‘अर्जुन तेंदुलकर खेलेंगा ही नहीं’

लखनऊ के लिए अपनी प्लेइंग 11 चुनते हुए अश्विन की भविष्यवाणी; पंत-मार्श ओपनर

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने आईपीएल 2026 से ठीक पहले लखनऊ सुपर जायंट्स की प्लेइंग 11 का चयन किया, लेकिन इस दौरान उन्होंने अर्जुन तेंदुलकर को लेकर साफ तौर पर कहा कि वो खेलेंगा ही नहीं। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर साफ तौर पर कहा कि अर्जुन तेंदुलकर को प्लेइंग 11 में मौका नहीं मिलेगा। अश्विन ने लखनऊ के ओपनर के रूप में ऋषभ पंत और मिचेल मार्श का चयन किया।

अर्जुन तेंदुलकर खेलेंगा ही नहीं

आर अश्विन से पूछा गया कि इस बार अर्जुन तेंदुलकर को लखनऊ ने अपने दल में शामिल किया है और उन्हें लेकर चर्चा हो रही है तो क्या आप उनको खेलते हुए देख रहे हैं या उन्हें प्लेइंग 11 में चांस मिल सकता है। इसका जवाब देते हुए अश्विन ने साफ तौर पर कहा कि वो खेलेंगा ही नहीं। अश्विन ने आगे कहा कि लखनऊ की लाइनअप में मयंक यादव है, मोहसिन खान है, आवेश खान है, मोहम्मद शमी है यानी इतने सारे फास्ट बॉलर्स हैं तो वो कहां से खेलेंगा।

पंत-मार्श को बनाया ओपनर- अश्विन ने कहा कि मुझे अर्जुन के खेलने की संभावना नहीं लगती, लेकिन अगर टीम में कई सारे खिलाड़ी इंडर्स हो जाते हैं तो फिर उसके खेलने की संभावना बन सकती है। इसके बाद अश्विन ने लखनऊ की प्लेइंग इलेवन का चयन किया जिसमें उन्होंने पंत और मार्श को ओपनर बनाया जबकि अर्शिन कुलकर्णी को तीसरे जबकि आद्युष बदनो को चौथे नंबर पर रखा। अश्विन ने टीम के आक्रामक बैटर निकोलस पूरन को बैटिंग क्रम में 5वां स्थान दिया।

3 तेज गेंदबाजों को टीम में दी जगह

अश्विन ने छठे नंबर पर अब्दुल समद को जगह दी जबकि शाहबाज अहमद को 7वें स्थान पर रखा। उन्होंने टीम में तेज गेंदबाज के रूप में मोहम्मद शमी, आवेश खान और मोहसिन खान को जगह दी जबकि स्पिनर के रूप में वानिंद्र हसरंगा को अपनी प्लेइंग 11 में शामिल किया। 12वें खिलाड़ी के रूप में उन्होंने इस टीम में दिवेश राठी या एनरिक नॉर्विखा में से किसी एक को रखने की बात कही।



‘प्लेऑफ तो क्या, टॉप 6 में भी नहीं रहेगी पंत की टीम’

IPL 2026 से पहले CSK के पूर्व खिलाड़ी ने किया बड़ा दावा



नई दिल्ली, एजेंसी। ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ सुपर जायंट्स पिछले सीजन में खराब प्रदर्शन के बाद आईपीएल 2026 में एक नई शुरुआत करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। पंत ने पिछले सीजन में यानी आईपीएल 2025 में पहली बार लखनऊ की कप्तानी की थी और ये टीम 7वें स्थान पर रही थी।

टॉप 6 में भी नहीं जगह बना पाएगी लखनऊ की टीम- लखनऊ की टीम ने पंत की कप्तानी में आईपीएल 2025 में 14 में से सिर्फ 6 मैच जीत पाई थी और 8 मैचों में उसे

हार मिली थी। पंत आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में इस लीग के इतिहास में 27 करोड़ की कीमत के साथ सबसे महंगे खिलाड़ी थे। इसके बावजूद यह भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज लखनऊ के लिए कप्तान और खिलाड़ी दोनों ही भूमिकाओं में कोई खास कमाल नहीं दिखा पाया। पंत के खराब प्रदर्शन के बावजूद लखनऊ ने उन पर भरोसा जताया और आने वाले इस सीजन के लिए उन्हें कप्तान बनाए रखने का फैसला किया। इस सीजन में ये टीम एक अप्रैल को लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में अपनी पुरानी टीम दिल्ली

कैपिटल्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। आईपीएल 2026 से पहले भारत और सीएसके के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने लखनऊ को लेकर बड़ा बयान दिया है। इस बयान से साफ लगता है कि लखनऊ टीम में टॉप टीमों से मुकाबला करने की क्षमता ही नहीं है। अश्विन ने यूट्यूब चैनल पर कहा कि इस सीजन के टॉप 3 टीमों तो पहले से ही तय हैं और चौथे, पांचवें व छठे स्थान के लिए जबरदस्त टक्कर होगी, लेकिन लखनऊ इसका हिस्सा नहीं होगी। लखनऊ की टीम टॉप 6 में भी जगह नहीं बना पाएगी।

IPL 2026 से पहले दिल्ली कैपिटल्स का बड़ा अपडेट

मिचेल स्टार्क की उपलब्धता पर अब भी अनिश्चितता है

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले दिल्ली कैपिटल्स ने अपने प्री-सीजन प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई अहम संकेत दिए हैं। मिचेल स्टार्क की उपलब्धता पर अब भी अनिश्चितता है, जबकि ओपनिंग कॉम्बिनेशन को लेकर टीम ने साफ किया है कि केएल राहुल सबसे मजबूत दावेदार के रूप में उभर रहे हैं। कप्तान अक्षर पटेल और कोचिंग स्टाफ ने माना कि पिछले सीजन की सबसे बड़ी कमजोरी ओपनिंग रही थी। इस बार ओपनिंग में इस मुद्दे पर खास तौर को टारगेट किया गया। अब सवाल यह है कि क्या दिल्ली कैपिटल्स अपनी पुरानी गलतियों से सीखकर इस सीजन नई शुरुआत कर पाएगी या मिचेल स्टार्क की अनिश्चितता और कॉम्बिनेशन की चुनौतियां फिर से रास्ता रोकेगी।

मिचेल स्टार्क: क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के जवाब का इंतजार- मीडिया से बातचीत में कप्तान अक्षर पटेल, क्रिकेट डायरेक्टर वेणुगोपाल राव और हेड कोच हेमंग बदानी ने खुलकर अपनी बात रखी। मिचेल स्टार्क के बारे में अक्षर पटेल ने कहा, ‘हमें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से जवाब का इंतजार है। हम उन्हें हल्लड़ (अनापत्ति प्रमाणपत्र) मिलने का इंतजार कर रहे

हैं। अक्षर पटेल ने कहा, ‘मिचेल स्टार्क आ रहे हैं, लेकिन उन्हें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के जवाब का इंतजार है, क्योंकि उन्हें अपनी फिटनेस के साथ-साथ अपने वर्कलोड को भी मैनेज करना है।’ केएल राहुल और



ओपनिंग पोजिशन के बारे में हेमंग बदानी ने कहा, ‘अगर आपकी ओपनिंग ठीक से काम नहीं कर रही है तो इसे सही करने का एकमात्र तरीका यह है कि आप किसी ऐसे खिलाड़ी को ढूँढें जो हमारे लिए यह काम कर सके।’

दूर कर ली ओपनिंग स्लॉट की दिक्कत:

हेमंग बदानी- हेमंग बदानी ने कहा, ‘पिछले साल हम ऐसा नहीं कर पाए थे, इसलिए आपने पिछले सीजन में अभिषेक पोरल, जेक फ्रेजर-वैकान्क, फाफ डुलेसिस और अन्य खिलाड़ियों के साथ



बदलाव देखे। फाफ आधे समय चोटिल रहे थे। इस बार हमने कुछ ओपनर्स को चुना है। हम पृथ्वी शॉ के पास लौटे हैं। हेमंग बदानी ने कहा, ‘हमने बेन डकेट और पशुम निसाका को चुना है। हमने इन खिलाड़ियों को चुनकर इस समस्या को सचमुच हल कर लिया है। नीलामी में ओपनिंग स्लॉट हमारे लिए एक मुख्य

लक्ष्य था और हमने इसे काफी हद तक पूरा कर लिया है।’

केएल राहुल बतौर ओपनर सबसे अच्छा विकल्प: अक्षर पटेल- अक्षर पटेल ने कहा, ‘पिछले साल केएल राहुल मध्यक्रम में बल्लेबाजी कर रहे थे, क्योंकि टीम कॉम्बिनेशन ऐसा था। पिछले साल हमारे पास दो विदेशी खिलाड़ी थे जो सिर्फ शीर्ष क्रम में ही बल्लेबाजी कर सकते थे। हमने उन्हें मध्यक्रम में बल्लेबाजी नहीं कराई।’ अक्षर पटेल ने कहा, ‘हमने पिछले साल केएल राहुल को मध्यक्रम में टूट दिया था। चोट और कॉम्बिनेशन के चलते हमने उन्हें प्रमोट किया। वह अनुभवी खिलाड़ी हैं, इसलिए हमने ये बदलाव किया। मुझे यकीन नहीं है कि मैं उन्हें फिर उसी पोजिशन पर खिलाऊंगा या नहीं, लेकिन बतौर ओपनर उन्होंने काफी अच्छा किया है।’ अक्षर पटेल ने बताया, ‘केएल राहुल ने उस पोजिशन में ढेर सारे रन बनाए हैं। मैं उन्हें बल्लेबाजी क्रम में किसी और नंबर पर खेलते हुए नहीं देखता। वह फ्रेंचाइजी के लिए संभावित ओपनर हैं। टी20 क्रिकेट में आपको अच्छे शुरुआत देनी जरूरी होती है। इससे बाद के बैटर्स के लिए आसानी होती है।’

‘रिंकू सिंह को बनाओ KKR का कप्तान’

पूर्व भारतीय बैटर ने दी सलाह; कहा- कोहली से रहाणे सीखें बैटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बैटर मोहम्मद कैफ को लगता है कि कोलकाता नाइट राइडर्स को रिंकू सिंह को टीम के फ्यूचर कप्तान के रूप में ग्रुप करना चाहिए। रिंकू सिंह इस टीम का अहम हिस्सा हैं और पिछले 8 साल से केकेआर के लिए खेल रहे हैं। कैफ के मुताबिक रिंकू सिंह के पास केकेआर टीम की कप्तानी करने का पेटेंशियल है।

रिंकू सिंह हैं ऑल फॉर्मेट प्लेयर

कैफ ने रिंकू सिंह के कप्तानी के बारे में बात करते हुए अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि वो ऑल फॉर्मेट प्लेयर हैं और केकेआर को उन्हें फ्यूचर कप्तान के रूप में ग्रुप करना चाहिए। वो टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन वो हर फॉर्मेट में अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं। मैं यूपी से हूँ और मुझे पता है कि उन्होंने यूपी के लिए क्या किया है। कई बल्लेबाजों ने खूब रन बनाए हैं, लेकिन उनके रन से टीम को जीत मिली है। उन्होंने हर फॉर्मेट में यूपी टीम की कप्तानी की है और पूरी तरह से तैयार हैं।



रहाणे को कोहली से सीखने की जरूरत

कैफ ने कहा कि केकेआर पहले वेंकटेश अय्यर को कप्तान बनाना चाहती थी, लेकिन रहाणे के अनुभव को देखते हुए उन्हें ये जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा कैफ ने रहाणे की स्पिन कमजोरी के बारे में भी बात की और कहा कि उन्हें विराट कोहली से सीख लेनी चाहिए। कैफ ने कहा कि कोहली भी इसी स्थिति में थे और स्पिन के खिलाफ रन नहीं बना पा रहे थे, लेकिन उन्होंने कुछ बदलाव किए और फिर स्पिनर की गेंदों पर रन बनाकर सबको चुप करा दिया। ये सबसे लिए एक बड़ा उदाहरण है और रहाणे को भी कोहली से सीख लेनी चाहिए।

इस सीजन के बीच में ही बनाना चाहिए कप्तान

कैफ ने साफ तौर पर कहा कि केकेआर को आईपीएल 2026 में रिंकू सिंह को लीडरशिप ग्रुप में एड करना चाहिए। कैफ ने कहा कि रिंकू सिंह मानसिक तौर पर इतने मजबूत हैं कि कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों के एक साथ मैनेज कर सकते हैं। वो ऐसे खिलाड़ी हैं जो पूरी तरह से तैयार हैं, लेकिन अब ये देखने वाली बात होगी कि क्या वो रहाणे के बाद उन्हें टीम का कप्तान बनाते हैं। केकेआर को रिंकू को इस सीजन के बीच में ही कप्तान बना देना चाहिए या फिर टीम का उप-कप्तान बनाना चाहिए। उन्हें लीडरशिप ग्रुप में लाएं और ये केकेआर के लिए लांग टर्म इनवेस्टमेंट होगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ताकत से कृषि शिक्षा और अनुसंधान में आएगा बा बदलाव

कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग विषय पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में शिक्षण एवं अनुसंधान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कृषि महाविद्यालय रायपुर में 16 से 20 मार्च तक आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की विभिन्न प्रविधियों एवं उपकरणों का प्रभावी उपयोग कर इन क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने के गुर सिखाया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 17 महाविद्यालयों के प्राध्यापक एवं वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आई.आई.टी. भिलाई, आई.आई.आई.टी. नया रायपुर, एन.आई.टी. रायपुर, आई.आई.एम. रायपुर, हिदयारुद्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी नया रायपुर, गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर, आई.सी.ए.आर. - नाम हैदराबाद तथा आई.सी.ए.आर. - एन.आई.बी.एस.एम. बरोण्डा जैसे राष्ट्रीय संस्थानों के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को कृषि शिक्षा अनुसंधान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की विभिन्न टेकनिकस एवं टूलस के प्रभावी



उपयोग के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.), भिलाई के निदेशक डॉ. राजीव प्रकाश तथा आई.सी.ए.आर.-राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान (एन.आई.बी.एस.एम.) बरोण्डा के निदेशक डॉ. पी.के. राय ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, कृषि महाविद्यालय,

रायपुर में कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन दिनांक 20 मार्च 2026 को डॉ. प्रशांत कविश्वर, महानिदेशक, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, रायपुर के मुख्य अतिथि तथा डॉ. ए.के. देवे, निदेशक शिक्षण एवं परीक्षा नियंत्रक, डॉ. अजय वर्मा, अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, रायपुर, डॉ. अखिलेश त्रिपाठी, वैज्ञानिक, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, रायपुर की गरिमामयी उपस्थिति तथा डॉ. आरती गुहे, अधिष्ठाता, कृषि संकाय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के 17 कृषि महाविद्यालयों के 85 सहायक प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं प्राध्यापकों ने सक्रिय सहभागिता की। डॉ. प्रशांत कविश्वर ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्तमान में कृषि अनुसंधान एवं शिक्षण के लिए अत्यंत उपयोगी है, इससे गुणवत्ता में वृद्धि तथा समय की बचत होती है किन्तु इस पर पूर्ण निर्भरता से विपरित परिणाम भी हो सकते हैं, कोविड 19 महामारी के बाद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग में तेजी से वृद्धि हुई है एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव बुद्धिमत्ता का विकल्प नहीं बल्कि एक सहायक साधन है। उन्होंने आई.आई.टी. के उपयोग के अनेक उदाहरण देते हुए प्राध्यापकों एवं वैज्ञानिकों से शोध एवं शिक्षण में इसके समुचित एवं बुद्धिमत्ता पूर्ण उपयोग करने का अनुरोध किया। डॉ. आरती गुहे, अधिष्ठाता एवं समन्वयक ने पांच दिवसीय अभिमुखीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया।

सरगुजा ओलंपिक के समापन समारोह में शामिल हुए बाइचुंग भूटिया



मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। सरगुजा ओलंपिक 2026 के समापन अवसर पर भारतीय फुटबॉल जगत के दिग्गज और पूर्व कप्तान अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित बाइचुंग भूटिया ने जोहार सरगुजा से अभिवादन कर खिलाड़ियों में जोश भरते हुए उन्हें की मेहनत और अटूट संकल्प का मंत्र देते हुए युवाओं को खेल जगत में अपनी पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। दूरी मायने नहीं रखती, जुनून

जरूरी है: सिक्किम से सरगुजा तक के अपने सफर का जिक्र करते हुए भूटिया ने कहा कि भौगोलिक दूरियों प्रतिभा के ओ नहीं आतीं। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा, मैं सिक्किम के एक बहुत छोटे से गाँव से निकलकर भारत के लिए खेल सका। मेरा गाँव सरगुजा से भी छोटा है। इसलिए यह कभी न सोचें कि आप किसी कोने में हैं, तो प्रोफेशनल खिलाड़ी नहीं बन सकते। अपने मन से यह शंका निकाल दें और खुद पर विश्वास रखें।

छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयासों की सराहना: बाइचुंग भूटिया ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खेलों को दी जा रही प्रार्थमिकता की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने बस्तर ओलंपिक के अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि राज्य सरकार युवाओं को एक सशक्त मंच प्रदान कर रही है। छत्तीसगढ़ सरकार युवाओं और खेल को प्रार्थमिकता दे रही है। जिससे सुदूर क्षेत्रों के खिलाड़ियों की प्रतिभा मंच मिला है। खेल विधाओं को अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ से न केवल राष्ट्रीय खिलाड़ी, बल्कि ओलंपिक मेडलिस्ट भी निकलेंगे।

सिसियरिटी और हार्ड वर्क से मिलेगी सफलता: उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि, सरकारी सहयोग और फोकस रहना, ईमानदारी से प्रयास करना और अंतिम तक हार न मानना ही सफलता की असली कुंजी है। उन्होंने कहा कि शासन की इन पहलों का सकारात्मक परिणाम जल्द ही देश के खेल मानचित्र पर दिखाई देगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन, खेल युवा कल्याण विभाग एवं जिला प्रशासन को सरगुजा ओलंपिक में आमंत्रित करने के लिए आभार प्रकट किया।

कुसुम ने दृढ़ इच्छाशक्ति और कठिन परिश्रम से बस्तर हेरिटेज मैराथन में लहराया जीत का परचम



मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। बस्तर की माटी की बेटियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि यदि हौसला बुलंद हो और लक्ष्य के प्रति समर्पण हो, तो कोई भी बाधा राह नहीं रोक सकती। हाल ही में आयोजित बस्तर हेरिटेज मैराथन में कुसुम ने अपनी अद्भुत खेल क्षमता और अदम्य साहस का परिचय देते हुए 42 किलोमीटर की फुल मैराथन में प्रथम स्थान हासिल कर पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। कुसुम ने यह चुनौतीपूर्ण दूरी मात्र 3 घंटे 18 मिनट और 43 सेकंड में पूरी कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। उनकी इस सफलता के पीछे महीनों का कठिन अभ्यास और खुद को साबित करने की एक लंबी जद्दोजहद छिपी है। कुसुम की यह जीत

इसलिए भी विशेष है क्योंकि उन्होंने एक समय पैर में गंभीर चोट (इंजरी) लगने के कारण दौड़ना लगभग छोड़ दिया था। इस बाधा के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। कुसुम को निरंतर प्रोत्साहन और मार्गदर्शन ने उन्हें दोबारा मैदान में उतरने का साहस दिया। अक्टूबर-नवंबर से पुनः अभ्यास शुरू करते हुए कुसुम ने धरमपुरा स्थित परिसर और इजीनियरिंग कॉलेज के मैदानों में घंटों पसीना बहाया। एक दौर ऐसा भी था जब उनके लिए 50 मीटर दौड़ना भी मुश्किल था और शारीरिक भारीपन के कारण चुनौतियाँ अधिक थीं, लेकिन सुबह 4 बजे उठकर किए गए दो अभ्यास से न केवल उन्हें शारीरिक रूप से फिट बनाया बल्कि मानसिक रूप से भी फौलादी बना दिया।

महतारी वंदन योजना ने बाया आत्मविश्वास संवरने लगा परिवार का भविष्य

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। राज्य शासन की फ्लैगशिप महतारी वंदन योजना से ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सीधे तौर पर सकारात्मक परिवर्तन ला रही है और उनके परिवार को बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बा रही है। कोरवा



जिले के ग्राम पंचायत सुखरीखुर्द की ओमती मनेवार और ग्राम पंचायत अमलडीहा की लक्ष्मी बाई आज अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने में पहले से कहीं अधिक सक्षम हैं। दोनों महिलाएँ छत्तीसगढ़ शासन की महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त कर रही हैं, जिसने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया शुरू कर दिया है। ओमती मनेवार बताती हैं कि योजना से मिलने वाली राशि घर की आवश्यक वस्तुओं की खरीद, रसोई खर्च और बच्चों की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण सहायता बन रही है। पहले जहाँ छोटी-छोटी जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पता था, वहीं अब यह सहायता उनके लिए धरोसे का आधार बन चुकी है। इसी तरह, लक्ष्मी बाई भी बताती हैं कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि से वे बच्चों के स्कूल से संबंधित खर्च, कापी-किताब से लेकर अन्य जरूरतें सामग्री आसानी से खरीद पा रही हैं। वे कहती हैं कि इस आर्थिक सहयोग ने उनके जीवन में स्थिरता और राहत की भावना दी है। दोनों महिलाओं का कहना है कि इस योजना ने न केवल उनके परिवार के आर्थिक बोझ को कम किया है, बल्कि उनमें आत्मनिर्भरता का विश्वास भी बाया है।

जशपुर में 'लखपति दीदी' अभियान को मिली नई रफ्तार

18 हजार से अधिक महिलाएँ बनीं आत्मनिर्भरता

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में प्रभावी पहल की जा रही है। इसी कड़ी में जशपुर जिले में 'लखपति दीदी' अभियान ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, जहाँ 18 हजार से अधिक महिलाएँ लखपति दीदी बनकर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य से समृद्ध जशपुर की महिलाएँ अब खेती, पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प और लघु उद्यमों के माध्यम से न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे गाँव की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही हैं। गाँव-गाँव में सक्रिय कृषि सखियाँ और पशु सखियाँ किसानों तक आधुनिक तकनीक और उन्नत कृषि पद्धतियों की जानकारी पहुँचाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ कर रही हैं। जिले में वर्तमान में 12 हजार 808 स्व-सहायता समूह सक्रिय हैं, जिससे 1 लाख 37 हजार 912 महिलाएँ जुड़ी हुई हैं। सामूहिक प्रयासों से ये महिलाएँ आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं।

राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2024 से 2027 तक जशपुर जिले में 30 हजार 877 'लखपति दीदी' तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इनमें से अब तक 18 हजार 218 महिलाएँ लखपति बन चुकी हैं, जबकि शेष महिलाओं को भी आगामी वर्षों में इस श्रेणी में लाने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

महिलाओं को आजीविका से जोड़ने के लिए 'बिहान' योजना के माध्यम से व्यापक सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इसके तहत लगभग 14 करोड़ रुपये मुद्रा लोन, 76 करोड़ रुपये बैंक लिंकेज और 13 करोड़ रुपये सामुदायिक निवेश निधि के रूप में सहायता दी गई है। साथ ही लगभग 70 हजार महिलाओं को कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और उदात्तिका गतिविधियों से जोड़ने की पहल की जा रही है। इसके अतिरिक्त करीब 8500 संचालित लखपति दीदियों को विभिन्न आजीविका गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया है और उनकी आय में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए निगरानी भी की जा रही है। महिलाएँ डेयरी, बकरी पालन, पोल्ट्री और फूड प्रोसेसिंग जैसे व्यवसायों के माध्यम से अपनी आय बढ़ रही हैं। उल्लेखनीय है कि महिलाओं को नई तकनीकों और नवाचारों से जोड़ने के उद्देश्य से 23 से 25 मार्च 2026 तक कृषि महाविद्यालय, कुनकुरी में 'कृषि क्रांति एक्सप्रेस 2.0' का आयोजन किया जा रहा है, जो महिलाओं के लिए नए अवसरों का द्वार खोल रहा है। जशपुर की यह पहल दर्शाती है कि जब महिलाएँ सशक्त होती हैं, तो परिवार, गाँव और पूरे राज्य की प्रगति सुनिश्चित होती है।

सर्घर्ष से सुकून तक

नल-जल योजना से बदली राधाबाई की जिंदगी

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। भारत सरकार की फ्लैगशिप जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले कोडगाँव जिले के ग्राम सालहेभाट में प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराए जाने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। इस योजना ने विशेष रूप से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।



ग्राम सालहेभाट निवासी राधाबाई असेंडी के लिए पहले पानी की व्यवस्था करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। उन्हें प्रतिदिन लगभग 250 मीटर दूर स्थित जल स्रोत से पानी लाना पड़ता था। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, चिलचिलाती धूप एवं शारीरिक श्रम के बीच पानी लाना उनके दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा था, जिससे समय एवं ऊर्जा दोनों का अत्यधिक व्यय होता था। राधाबाई का परिवार

मुश्किल: कृषि एवं सब्जी उत्पादन पर निर्भर है। पानी की कमी के कारण उनकी आजीविका पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था। सीमित जल उपलब्धता उनके कृषि कार्यों एवं परिवार के बेहतर जीवन के सपनों में बाधा बन रही थी। जल जीवन मिशन के अंतर्गत 'हर घर नल-जल' योजना के क्रियान्वयन से गाँव में पाइपलाइन बिछाई गई तथा राधाबाई के घर तक नल कनेक्शन प्रदान किया गया।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर वातावरण मिलेगा नालंदा परिसर में युवाओं को

वन मंत्री कश्यप ने शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय परिसर में 'नालंदा परिसर' का किया भूमिपूजन

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि नालंदा परिसर के निर्माण से बस्तर के छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर सुविधाएँ मिलेंगी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के 14 नगर निगम क्षेत्रों में ऐसे परिसर बनाए जा रहे हैं, जिससे विद्यार्थियों को आधुनिक अध्ययन सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। केदार कश्यप ने आज शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय परिसर जगदलपुर में प्रस्तावित 'नालंदा परिसर' का



विधिवत भूमिपूजन किया। इस नालंदा परिसर का निर्माण लगभग 11 करोड़ 59 लाख की लागत से किया जाएगा, जिसमें 500 सीटर बैठक व्यवस्था, 24 घंटे सातों दिन पने की सुविधा, वाई फाई, पार्किंग और गार्डन की सुविधा रहेगी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों एवं बी संस्था में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम को

संबोधित करते हुए मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि युवाओं से समय का सदुपयोग करते हुए लक्ष्य को प्राप्त करने का आह्वान किया। महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय परिसर में नालंदा परिसर के निर्माण से विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को भी काफी सुविधा होगी। नालंदा परिसर में स्मार्ट लाइब्रेरी व स्टडी जोन होगा। हजारों किताबों के संग्रह के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर के ई-कनैक्स करने की भी

सुविधा होगी। स्मार्ट लर्निंग पर फोकस होगा। 24x7 वाईफाई और इंटरनेट की सुविधा भी छात्रों को यहाँ मिलेगी। सिविल सर्विसेज के साथ मेडिकल, इंजीनियरिंग, क्लैट की तैयारी के साथ मेश्र ओलंपियाड के लिए भी किताबें यहाँ होंगी। नालंदा परिसर का निर्माण धरमपुरा क्षेत्र में हो आपके विधायक किरण देव लगातार प्रयासरत रहे। नालंदा परिसर के निर्माण से हमारे आने वाली पीढ़ी को

शिक्षा क्षेत्र में लाभ होगा। उन्होंने कहा हमारी सरकार की मंशा है कि शिक्षा का स्तर बनाए जाय।

इस अवसर पर स्थानीय विधायक किरण देव ने कहा कि आज के हमारे युवा साथी भारत वर्ष की नींव हैं। बस्तर के युवा नालंदा परिसर में पाई कर अपना भविष्य खुद तय करेंगे। उन्होंने कहा कि प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय विश्व की ख्यातिप्राप्त संस्था रही है और इसी अवधारणा को आगे बाते हुए नालंदा परिसर का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है, जिसके तहत प्रदेश के विभिन्न निकायों में निर्माण कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि यह परिसर बस्तर के छात्रों की बहुप्रतीक्षित मांग थी, जहाँ विद्यार्थी 24 घंटे अध्ययन कर सकेंगे और अपने भविष्य को संवार सकेंगे। उन्होंने नालंदा परिसर के निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया।

सरगुजा ओलंपिक 2026: तीन दिवसीय संभागस्तरीय आयोजन का शानदार समापन

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। सरगुजा ओलंपिक 2026 के संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं का शानदार समापन सोमवार को पीजी कॉलेज ग्राउण्ड अम्बिकापुर में हुआ। समापन समारोह में भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान, पद्मश्री अर्जुन अवाई से सम्मानित बाइचुंग भूटिया शामिल हुए। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं आज यहाँ सिक्किम से आप सभी खिलाड़ियों में जोश की भावना सिंचित करने आया हूँ। आप सबको मैं एक ही मैसेज देना चाहता हूँ कि आप लोग लगे लगे साथ की मेहनत करें, सफलता जरूर मिलेगी। मुझे खुशी है कि छत्तीसगढ़ शासन खेलों को विशेष प्रार्थमिकता दे रही है। इसका असर हमें जरूर दिखेगा और छत्तीसगढ़ के युवा खेलों में देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि मैं भी ट्राइबल लका हूँ और सिक्किम के छोटे से गाँव से आता हूँ। वहाँ से निकलकर मुझे भारत के लिए खेलने का मौका मिला है। यह मैटर नहीं करता कि आप कहां से हैं जबकि आपकी प्रतिभा और मेहनत आपको आगे लेकर जाती है। मुझे धरोसा है कि



आने वाले समय में छत्तीसगढ़ से भी बहुत से खिलाड़ी ओलंपिक में डेल लेकर आएंगे और देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने खिलाड़ियों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं, वहीं शासन प्रशासन को धन्यवाद दिया। कृषि मंत्री रामविचार नेतार ने कहा कि

किसी काम को पूरा करने में अगर पूरी जुनून, लगन और अनुशासन हो, तो निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी। हमारी छत्तीसगढ़ सरकार ने युवाओं को अवसर दिया है, आज छत्तीसगढ़ के हर कोने से खिलाड़ी निकलकर आ रहे हैं। आपको जो

प्लेटफॉर्म मिला है, इसका भरपूर उपयोग करें और आगे जाएं। हमें गर्व होता है कि सरगुजा अंचल में ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जो राष्ट्रीय मंच पर अपना एक जलवा बिखेर चुके हैं। निश्चित ही आने वाले समय में भी इन खेलों के माध्यम से प्रदेश के खिलाड़ी देश के लिए मेडल जीतकर लाएंगे। उन्होंने सभी विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दीं।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि सरगुजा ओलंपिक का सफल आयोजन आज यहाँ सम्पन्न हुआ। यह सरगुजा संभाग के खिलाड़ियों के लिए सौभाग्य की बात है कि उन्हें अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर इस पूरे आयोजन में मिला है। उन्होंने कहा कि सरगुजा ओलंपिक में 12 विधाओं में प्रतियोगिताएँ आयोजित हुई हैं, हमारा प्रयास रहेगा कि आगामी आयोजन में सरगुजा जिले के अन्य पारम्परिक खेलों को भी इसमें शामिल किया जाए। उन्होंने सभी जिलों से आए खिलाड़ियों को बधाई दी तथा विजेता खिलाड़ियों को भी शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि 26 मार्च से अब खेले इंडिया ट्राइबल गेम्स का शुरुआत होगा जिसमें रायपुर सहित बस्तर सरगुजा में भी

खेल आयोजित होंगे। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक तनुजा सोलाम ने समापन समारोह में सरगुजा ओलंपिक 2026 के पूरे आयोजन की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सरगुजा ओलंपिक के शानदार सफल आयोजन के लिए सभी को शुभकामनाएँ दीं। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष निरुपा सिंह, महापौर मंजूषा भागत, सभापति हरमिंदर सिंह टिड्डी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, सरगुजा सम्भागयुक्त नरेन्द्र कुमार दुग्गा, कलेक्टर अजीत वंसत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, जिला पंचायत के लिए सौभाग्य की बात है कि उन्हें अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर इस पूरे आयोजन में मिला है। उन्होंने कहा कि सरगुजा ओलंपिक में 12 विधाओं में प्रतियोगिताएँ आयोजित हुई हैं, हमारा प्रयास रहेगा कि आगामी आयोजन में सरगुजा जिले के अन्य पारम्परिक खेलों को भी इसमें शामिल किया जाए। उन्होंने सभी जिलों से आए खिलाड़ियों को बधाई दी तथा विजेता खिलाड़ियों को भी शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि 26 मार्च से अब खेले इंडिया ट्राइबल गेम्स का शुरुआत होगा जिसमें रायपुर सहित बस्तर सरगुजा में भी